दैनिक
प्रातः कालीन
# क्यूं न लिखूं सच
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः– 06
अंकः– 130
मुरादाबाद
(Tuesday)
31 August 2026
पृष्ठः–8
मूल्यः– 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## पीएम मोदी को मिला उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मानः अब तक 36 देशों ने किया सम्मानित

### मन की बात : ड्रग्स के खिलाफ जागरुकता का दिया संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान की ओर से देश के सर्वोच्च राजकीय सम्मान से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने रविवार को एक समारोह में उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। पीएम मोदी को विभिन्न देशों से मिले विदेशी सम्मानों की लंबी सूची में यह एक और महत्वपूर्ण जुड़ाव है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च राजकीय सम्मान ओली दराजाली दोस्तलिक से सम्मानित किया गया। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने रविवार को प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मान से नवाजा। जुलाई 2026 में इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान %बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया% मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विदेशी देशों से मिले अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की संख्या 35 हो गई है। क्रम देश पीएम मोदी को मिला सम्मान वर्ष 1 सऊदी अरब किंग अब्दुलअजीज सैश 2016 2 अफगानिस्तान स्टेट ऑर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्लाह खान 2016 3 फिलिस्तीन ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन 2018 4 संयुक्त अरब अमीरात ऑर्डर ऑफ जायेद 2019 5 रूस ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल 2019/2024 6 मालदीव ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्विश्ड रूल ऑफ निशान इज्जुद्दीन 2019 7 बहरीन किंग हमद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां 2019 8 अमेरिका लीजन ऑफ मेरिट 2020 9 भूटान ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो 2021/2024 10फिजी कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी 2023 11पापुआ न्यू गिनी ग्रैंड कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू 2023 12 पलाऊ एबाकल अवॉर्ड 2023 13मिस्र ऑर्डर ऑफ द नाइल 2023 14 फ्रांस ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर 2023 15ग्रीस ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर 2023 16 ोमिनिका डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर 2024 17 नाइजीरिया ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर 2024 18गुयाना ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस 2024 19 बारबाडोस ऑनरेरी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम 2024/2025 20 कुवैत ऑर्डर ऑफ मुबारक अल–कबीर 2024 21 मॉरीशस ड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन 2025 22 श्रीलंका श्रीलंका मित्र विभूषण 2025 23 साइप्रस ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III 2025 24घाना ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना 2025 25 त्रिनिदाद और टोबैगो ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो2025 26 ब्राजील ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस 2025 27नामीबिया ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एंशिएंट वेल्विट्सचिया मिराबिलिस 2025 28इथियोपिया ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया 2025 29ओमान ऑर्डर ऑफ ओमान 2025 30 इजरायल मेडल ऑफ द नेसेट 2026 31स्वीडन रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार, कमांडर ग्रैंड क्रॉस 2026 32 नॉर्वे ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट 2026 33 स्लोवाकिया ऑर्डर ऑफ द व्हाइट डबल क्रॉस, प्रथम श्रेणी 2026 34 सेशेल्स गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन 2026 35 इंडोनेशिया बिंतांग अदीपुर्ना ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया 2026 36 उज्बेकिस्तान ऑर्डर ऑफ ओली दराजाली दोस्तलिक 2026 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 137वें एपिसोड को संबोधित किया। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे पूरे ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) और सरकार के आधिकारिक डिजिटल चैनलों पर प्रसारित किया गया।सीएम धामी बोले– पीएम का मन की बात कार्यक्रम देशवासियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए करता है प्रेरित– उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कुंवावाला, देहरादून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 137वां संस्करण सुना। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने के साथ ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले लोगों और अभिनव प्रयासों को देश–दुनिया के सामने लाने का प्रभावी माध्यम बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में युवाओं को नशे से दूर रखने और 'नशा मुक्त युवा–विकसित भारत' के संकल्प को जन–आंदोलन बनाने का संदेश दिया है। नशा मुक्त युवा ही सशक्त और विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान से देश के युवाओं में नशे के विरुद्ध जागरूकता बढ़ने के साथ ही स्वस्थ, सकारात्मक और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित युवा शक्ति के निर्माण को नई ऊर्जा मिलेगी। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, गणेश जोशी, डॉ. धन सिंह रावत, मदन कौशिक, भरत चौधरी एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।पीएम मोदी ने कहा, %%मेरे प्यारे देशवासियों, हमारे पर्व और त्योहार, हमारी परंपराओं के साथ–साथ, हमें एक–दूसरे से जुड़ने का भी अवसर देते हैं। आने वाले दिनों में हम और भी कई महत्वपूर्ण पर्व मनाने जा रहे हैं। 4 सितंबर को जन्माष्टमी का पावन पर्व है। सितंबर में ही हम विश्वकर्मा पूजा भी मनाएंगे। इस अवसर पर अपने आसपास के कारीगरों, शिल्पकारों और विश्वकर्मा साथियों का सम्मान करना चाहिए। कुछ महीनों बाद दीपावली भी आने वाली है, इसकी तैयारियां भी धीरे–धीरे शुरू हो रही हैं। त्योहारों के इस मौसम में, मैं एक बार फिर, आपसे, वोकल फॉर लोकल का आग्रह दोहराऊंगा और वोकल फॉर लोकल का मतलब केवल मिट्टी के दीये खरीदना नहीं है, इसका विजन बहुत बड़ा है। हम अपने घर के लिए जो भी सामान खरीदते हैं, उसे एक बार जरूर देख लें कि वो भारत में बना हो। भारत के आत्मनिर्भर बनने का मार्ग, भारत में बनी चीजों पर गर्व करने से ही प्रशस्त होगा। इस संदेश को ज्यादा–से–ज्यादा लोगों तक पहुंचाना भी हमारी जिम्मेदारी है। हमारे क्रिएटिव दुनिया के साथियों, इंफ्लूएंसर्स और सेलेब्रिटीज की भी इसमें बहुत बड़ी भूमिका है। मेरा आपसे आग्रह है कि स्वयं भी वोकल फॉर लोकल को अपनाए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित कीजिए। पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा, मेरे प्यारे देशवासियों, कुछ ही दिनों में 3 सितंबर को हम महानायक उत्तम कुमार की जन्म–शताब्दी मनाएंगे। साथियों, उत्तम कुमार एक बहुमुखी अभिनेता थे, जो अपने अभिनय से लोगों के दिलों में रच–बस गए। फिल्म के चाहने वालों का मानना है सिीख भी मिलती है। उनकी शुरुआती फिल्में बहुत नहीं चलीं, लेकिन उन्होंने अपने काम पर फोकस बनाए रखा। इसी का परिणाम था कि उन्होंने इतनी ऊंचाई हासिल की। साथियों, मुझे ध्यान है कि जब मैं कोलकाता में रोड शो कर रहा था, तो मैं उत्तम कुमार के घर के सामने से भी गुजरा था। वहां मुझे एक व्यक्ति ने उनकी एक तस्वीर भी भेंट की थी। मैं एक बार फिर महानायक उत्तम कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वे हमेशा हम सब के दिलों पर राज करते रहेंगे।

## संक्षिप्त समाचार

### सवाल पूछना विद्रोह नही´: सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जल भुइयां ने कहा– लोकतंत्र में अलग आवाजों को सुना जाए

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जल भुइयां ने विश्वविद्यालयों को स्वतंत्र विचार और स्वस्थ बहस का केंद्र बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों की अलग राय या कठिन सवालों को अनुशासनात्मक कार्रवाई के डर से दबाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। उनके मुताबिक असहमति को टकराव के बजाय तर्क और संवाद के माध्यम से स्वीकार किया जाना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जल भुइयां ने रविवार को कहा कि अलग राय रखने या सवाल पूछने वाले छात्रों को दंडात्मक कार्रवाई की धमकी नहीं दी जा सकतीे। न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसी जगह होनी चाहिए, जहां स्थापित धारणाओं की जांच और सवाल किए जा सकें तथा असहमति का जवाब दुश्मनी से नहीं दिया जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय वह जगह है, जहां स्वतंत्र रूप से सोचने की आदत विकसित होती है और छात्र कठिन सवाल पूछने में संकोच नहीं करता। उन्होंने कहा कि सवाल पूछने का अधिकार विद्रोह नहीं है और असहिष्णु सोच भारतीय संविधान की भावना के विपरीत है। शीर्ष अदालत के न्यायाधीश दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। विधि छात्रों से जस्टिस भुइयां ने क्या–क्या कहा? न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा, जब छात्र अलग दृष्टिकोण रखते हैं

## अखिलेश यादव का एलान– भाजपा राज में बंद किए गए 26 हजार स्कूलों को खोला जाएगा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में हमारी सरकार आने पर पीडीए समाज को आबादी के अनुसार उनका हक दिया जाएगा। भाजपा राज में बंद किए गए स्कूलों को फिर खोला जाएगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एलान करते हुए कहा कि भाजपा राज में बंद किए गए स्कूलों को सपा सरकार आने पर फिर से खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में पीडीए समाज के लोग पढ़ते हैं। सपा सरकार आने पर पीडीए समाज को उनकी आबादी के अनुसार हक दिया जाएगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बचे हुए महीनों में एक लाख नौकरियां देने की बात कर रहे हैं। अब समय ही कितना बचा है। हमारी सरकार आएगी तो हम पीडब्ल्यूडी विभाग का भी ऑडिट करवाएंगे और बताएंगे कि कितना माल कमाया गया है। सड़कों पर गड्ढे हैं। सिंचाई विभाग में भी घोटाला हुआ है। उन्होंने भाजपा पर हमलावर होते हुए कहा कि मंदिर के बाहर भीख मांगने वाला भिखारी भी मंदिर में चोरी नहीं करता है लेकिन इन लोगों ने मंदिर में दान का धन भी चुरा लिया है। ये लोग धर्मद्रोही और अधर्मी लोग हैं। जनता अब इंतजार कर रही है। अब लोग इनको बर्दाश्त करने वाले नहीं हैं। दूसरे प्रदेशों के अपराधी आकर यूपी में अपराध कर रहे अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में कानून व्यवस्था का हाल तो ये है कि दूसरे प्रदेशों के अपराधी यहां वारदात करने आते हैं और बुलडोजर वाली सरकार कुछ नहीं करती है। लगता है कि दोनों की साझेदारी है। भाजपा के लोग भ्रष्टाचार करते हैं। जनता को मिलावटी पेट्रोल बेचा जा रहा है। त्योहार आते ही चीनी महंगी कर दी।

## सिब्बल का भागवत पर निशानाः कहा– विदेश में समझदारी की बातें, देश में चुप्पी; मौलाना यासूब अब्बास ने की तारीफ



आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अमेरिका में भारत की सामाजिक विविधता और राष्ट्रीय एकता को एक–दूसरे का पूरक बताते हुए इनके सम्मान और संरक्षण की बात कही। उनके इस संदेश पर राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सवाल उठाया और कहा कि सार्वजनिक जीवन में कही गई बातों का असर तभी दिखता है, जब व्यवहार में भी उनका पालन हो।राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की अमेरिका में की गई टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा। भागवत ने कहा था कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है। सिब्बल ने कहा कि सिर्फ शब्द मायने नहीं रखते, बल्कि काम भी दिखाई देना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता और निर्दलीय राज्यसभा सांसद सिब्बल ने भागवत की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे विदेश में समझदारी की बातें और देश में चुप्पी का मामला बताया।सिब्बल ने एक्स पर कहा, न्यूयॉर्क में भागवत– विविधता हमारी स्वाभाविक एकता की शोभा है। इसकी रक्षा की जानी चाहिए। विदेश में समझदारी की बातें, देश में चुप्पी। शब्द मायने नहीं रखते, काम बोलना चाहिए! सिब्बल की यह टिप्पणी आरएसएस प्रमुख भागवत के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि विविधता में एकता भारत के डीएनए में है और इसे मनाया, सम्मानित और स्वीकार किया जाना चाहिए।` शनिवार को न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित मैडिसन स्क्वायर गार्डन स्थित इन्फोसिस थिएटर में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम को संबोधित किया। इसमें भारतीय–अमेरिकी समुदाय के 6,000 से अधिक सदस्य और विभिन्न धर्मों के नेता शामिल हुए। यह कार्यक्रम अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग (एएचईएडी) मंच की ओर से आयोजित किया गया था।भागवत ने कहा, जब हम अमेरिका, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका कहते हैं, तो एक शब्द पर अक्सर चर्चा होती है और वह है बहुलवाद। जब हम भारत कहते हैं, तो एक और वाक्यांश की चर्चा होती है– विविधता में एकता। उन्होंने कहा कि भारत के लिए एकता और विविधता दोनों उसके डीएनए में हैं।

## रक्षामंत्री व CM योगी ने 101 करोड़ की 14 परियोजनाओं के लिए किया भूमिपूजन, प्रमुख बाजारों का नामकरण किया

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ छावनी में 101 करोड़ की 14 परियोजनाओं के लिए भूमि पूजन किया। इस मौके पर प्रमुख बाजारों का नामकरण भी किया गया।



रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लखनऊ छावनी को 101 करोड़ रुपये की 14 विकास परियोजनाओं के लिए भूमि पूजन किया। इस दौरान शहर के कई प्रमुख बाजारों के नए नामकरण किए गए, जिनमें वीरांगना ऊदा देवी, लोकमाता अहिल्याबाई होलकर और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बाजारों का नाम बदलना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी महान हस्तियों की याद दिलाने का प्रयास है।

लखनऊ के तेज विकास, बेहतर जल आपूर्ति, शिक्षा, खेलकूद और बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसका श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दिया। उन्होंने कहा कि यूपी में आज कानून का राज है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का कद बढ़ता दिख रहा है।लखनऊ के छावनी में दिलकुशा लॉन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। समारोह में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण विशिष्ट अतिथि के रूप में रहे।इसके साथ ही भारतीय रक्षा संपदा सेवा की महानिदेशक शोभा गुप्ता, मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता और रक्षा संपदा मध्य कमान की प्रधान निदेशक भावना सिंह भी उपस्थिति रहीं।

संपादकीय Editorial

# What should education be like?

For generations, the purpose of higher education was relatively clear: study, earn a degree, get a job, and build a career. This system played a crucial role in shaping society and the nation. However, with the world changing at a rapid pace, degree-based education is no longer sufficient. Artificial intelligence, digital technology, the changing economy, climate change, and the changing nature of employment have posed new challenges for education. Today's students must be prepared for a future that will face new types of work, new technologies, and constantly changing circumstances. Therefore, the question is no longer simply how to teach better; the bigger question is what should our higher education be like for a changing world. This question is even more important for Himachal Pradesh. Instead of copying the models of other states or countries, we must shape our own direction of higher education, tailored to our geographical, social, economic, cultural, and environmental conditions. In the traditional system, education has often been understood in terms of knowledge, exams, and degrees. Degrees are still important today and will continue to be, but it will no longer be sufficient to consider a degree alone as the ultimate proof of academic success.

Future education requires the development of thinking, skills, character, experience, and the ability to adapt to changing circumstances, along with knowledge. The true purpose of higher education should be to prepare young people who are not merely job seekers, but can understand problems, find solutions, learn in new situations, and create new opportunities when needed. This is the difference between job preparation and capacity building for life and career.

Today's students cannot limit themselves to textbooks and exams. They must engage with real-life problems. They must learn through projects, research, internships, community work, entrepreneurship, and practical experiences. There is no shortage of information today. Through the internet, digital libraries, and artificial intelligence, students can access vast amounts of information in a matter of moments. This does not mean that the importance of the teacher has diminished; rather, their role has become more important. Teachers must no longer merely provide information but also become guiding forces in the learning process.

They must teach students to differentiate between true and false information, ask better questions, reason, understand complex topics, collaborate, and make responsible decisions. Regarding artificial intelligence, we need neither fear nor blindly trust it. The purpose of technology should be to improve education, not to replace teachers. Higher education of the future should be technology-enabled, but not technology-dependent. Himachal Pradesh's geographical location distinguishes it from other states. Its mountainous geography poses numerous challenges, including connectivity, transportation, distribution of institutions, student mobility, teacher availability, and infrastructure costs. However, these same Himalayas can also become our greatest educational strength. Himachal has immense potential in biodiversity, horticulture, tourism, water resources, forests, local knowledge, cultural heritage, renewable energy, and climate studies.

# The Dignity of Language Being Torn Apart

The preservation of democratic decorum cannot be left solely to politicians. The kind of political language citizens value also determines the direction of public life. Growing aggression in political discourse and the decline of linguistic decorum. Avoid personal acrimony, focus on policy debate. Maintain public trust in democratic institutions. India's public life is currently experiencing a deep contradiction. On the one hand, the country is moving forward with new priorities for good governance, policy reforms, and development, while on the other, the tendency for political discourse to become aggressive and unparliamentary is rapidly increasing. Protest is a constitutional right in a democracy, but when civility disappears from the language of protest, personal acrimony replaces policy debate. This criterion applies equally to both the ruling party and the opposition. Political language is not merely a medium for the expression of ideas; it shapes a society's power culture and civic consciousness. Political discourse determines the nature of dissent in society. If insults and unverified accusations become the primary mode of discussion, factual and serious language is marginalized. When the language of top leadership is restrained, the level of discourse in society becomes mature. Conversely, when the level of language declines, it directly impacts social harmony. The crisis in public life today is that the distinction between policy opposition and personal attack in politics is blurring. Dissent is a strength of democracy, but rejecting the mandate weakens democratic conscience. Opposition parties are alternative contenders for power, not enemies of the system. The most serious consequence of political acrimony occurs when political opponents are treated as enemies rather than as adversaries. In a democracy, both the ruling party and the opposition must accept each other's political legitimacy. When this acceptance weakens, every disagreement begins to devolve into a conflict between national interest and nationalism. Then, the purpose of dialogue becomes not understanding the other, but morally rejecting them. In such politics, compromise is seen as weakness, and expressing dissent is treated as a political crime. When a national leader uses indecent language from a public platform, party workers and supporters adopt that language as their standard. Thus, the linguistic pollution that begins from the platforms gradually affects the entire social environment. Leaders must remember that they also set the standard for public conduct in society. Tough questions about government policies are essential to democracy, but turning questions into accusations without evidence is not appropriate. Serious allegations about the electoral process, constitutional institutions, or the government's intentions are not proven simply by repeating them from a political platform. The more serious the allegation, the more solid evidence is required. When every government decision is labeled a failure, every controversy a crisis, and every political disagreement a conspiracy, the public gradually becomes indifferent to these words. Then, even the real problem is drowned out by the noise. Protests that maintain their seriousness are more effective. In a democracy, an effective opposition is not one that speaks the loudest, but one that compels the ruling party to respond and the public to reflect. Excessive rhetoric can make political language aggressive, but not effective. Our public life has a long tradition of dialogue despite differences. Parliament is not merely a forum for numerical strength; it is also a test of political culture, which includes the ability to listen to opposing views. The importance of decorum in language in Parliament is even greater because the words spoken there become part of the parliamentary record. The purpose of debate is not to humiliate the opponent, but to strengthen one's own argument.

Today, a large portion of political speeches are crafted with the rapid response and visibility of digital media in mind. Provocative phrases and indecent statements often spread rapidly, while facts and context are left behind. 'Going viral' and 'being credible' are two completely different things. While provocation may attract attention for a short time, it does not build political credibility or support base. Sharp criticism of government policies enlivens democracy, but there is a significant difference between policy criticism and deliberate questioning of institutions.

If, after every decision, the functioning of the judiciary or constitutional bodies is questioned without any concrete evidence, it will erode the common citizen's trust in the constitutional system. Undermining the credibility of institutions weakens the foundation of democracy. When political energy is constantly expended in accusations and counter-accusations, serious policy debate is left behind. Demanding answers from the government in Parliament is essential, but the objective of every question should be to improve policy. The government's responsibility is not merely to respond to criticism, but to present its decisions based on facts and results. If the focus of politics becomes constant accusations rather than governance and policy, the entire democratic structure suffers.

The preservation of democratic decorum cannot be left solely to leaders. The type of political language citizens value also determines the direction of public life. Public conscience is the greatest democratic check on uncivilized language. Political parties must understand that elections come and go, governments change, But political values ??last longer. India needs respectful opposition. Aggression may be the energy of democratic politics, but vulgarity cannot become its strength. Powers may change, parties may shift, but the values ??of public language remain long-lasting in society. Therefore, before conquering politics, one must conquer one's words.

# Opposition to Vande Mataram is dangerous.

Considering global examples, Indonesia, despite having a Muslim population of over 87 percent, has given full respect to its ancient symbols associated with Hinduism. Indonesia's national emblem is the Garuda, the vehicle of Lord Vishnu, while the currency notes feature a picture of Lord Ganesha. Opposition to Vande Mataram reflects an incomplete understanding of national symbols. This song is a hymn to the motherland, not a religious one. Opposition is an insult to constitutional values ??and national pride. Every nation has national symbols that are deeply connected to its fundamental culture and identity. The national flag, the national anthem and national song, the emblem, and various mottos are such symbols. These are the products of our cultural consciousness, spanning hundreds of thousands of years. For example, the Ashoka Chakra on the national flag symbolizes the Dharmachakra of Buddhism. The Supreme Court's motto, "Yato Dharmastato Jayah," is a part of the Mahabharata verse "Yato Krishna Tato Dharma, Yato Dharmah Tato Jayah." The national song Vande Mataram also embodies elements of ancient Indian culture dating back thousands of years. Unfortunately, Vande Mataram has once again become embroiled in controversy. This controversy has raised questions concerning constitutional, legal, moral, and the future of India. The latest controversy began on July 26th when Parliament granted legal protection to the national song Vande Mataram, which was opposed by the Congress, Samajwadi Party, and others. Then, on August 15th, a situation arose where the singing of Vande Mataram was allegedly prevented at the Congress headquarters. On August 19th, the Congress Working Committee decided to sing only the first two stanzas of Vande Mataram in its programs. The song Vande Mataram, composed by Bankim Chandra, was sung by Gurudev Rabindranath Tagore in 1896 at the Congress National Conference, whose president was a Muslim. During the Partition of Bengal movement in 1905, both Hindus and Muslims united in singing Vande Mataram. It was sung at all Congress sessions, even though Muslims served as Congress presidents in 1913, 1918, and 1921. In 1907, the tricolor flag hoisted by Parsi Madam Bhikaji Cama in Germany bore the inscription "Vande Mataram." Martyr Bhagat Singh greeted his people with "Vande Mataram" in his letters. Revolutionary Ashfaqulla was hanged singing it. Before becoming a fanatic, Jinnah rebuked those who did not stand in respect. Former President APJ Abdul Kalam, inspired by Vande Mataram, wrote a patriotic poem in Tamil titled "Vande Mataram." In 1907, the first Indian principal of St. Stephen's College, Christian S.K. Rudra, and in 1916, Joseph Baptista, co-founder of the Home Rule League, sang "Vande Mataram." Despite its acceptance among prominent figures of all faiths, the Muslim League opposed it due to religious fanaticism. Under pressure from the Muslim League led by Jinnah, a committee headed by Nehru decided to split Vande Mataram in 1937. The main objection to Vande Mataram is its references to Lakshmi, Saraswati, and Durga. However, Bharat Mata is depicted here in a trinity of forms. She is Lakshmi, the symbol of prosperity, Saraswati, the symbol of knowledge, and Durga, the symbol of power. The three important dimensions of human life—wealth, knowledge, and power—are given a philosophical form in the Indian thought tradition. Vande Mataram is not a religious song, but a hymn to the motherland. Initially, Nehru himself had no objection to the original Vande Mataram. In 1937, in separate letters to Ali Sardar Jafri and Subhash Chandra Bose, he wrote that associating the words in it with the goddess was ridiculous and that the uproar against it was fabricated by communalists. Today, schemes like "Laadli Laxmi," "Bhagya Laxmi," and "Lado Laxmi" are implemented for women's economic empowerment, or scholarships and financial assistance are provided in the name of Saraswati for girl child education at the Centre and in the states. Will those who oppose the inclusion of Lakshmi.

# मुरादाबाद में आदमखोर की दहशत: बहापुर बलिया पर तेंदुए का बार-बार वार, हर जुबां पर एक सवाल, कौन है अगला शिकार

मुरादाबाद जिले के ठाकुरद्वारा इलाके में लगातार तेंदुओं के हमले बढ़ते जा रहे हैं। इलाके में एक माह के भीतर तेंदुआ चार लोगों की जान ले चुका है। इसमें तीन महिलाएं शामिल है। हमले बढ़ने के साथ ही वन विभाग लाचार बना हुआ है। ठाकुरद्वारा का गांव बहापुर बलिया इस समय आदमखोर तेंदुए के खौफ में है। पहले ब्रह्मो देवी, फिर मिथिलेश और अब जगराज सैनी की जान तेंदुआ ले चुका है। दोनों महिलाओं को गांव के पास ही खेतों पर मारा था जबकि जगराज को घर से सोते हुए तेंदुआ उठाकर ले गया।अब हर किसी को यही डर सता रहा है कि तेंदुए का अगला शिकार कौन होगा। लोग यहां तक कह रहे हैं कि तेंदुए के मुंह इंसानी खून लग चुका है लिहाजा जब तक उसे मारा नहीं जाएगा 18 अगस्त को इस गांव की ब्रह्ममो देवी पर खेत पर काम करते समय हमला किया था। मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। दूसरा हमला 25 अगस्त को शाहपुर बलिया निवासी मिथिलेश देवी पर हुआ था। मिथिलेश को खेत पर काम करते समय तेंदुआ पति के सामने से खींचकर ले गया था। जब तक लोग दौड़े मिथिलेश की मौत हो चुकी थी। अब तेंदुआ इस गांव में घुस गया और जगराज सैनी को घर में सोते वक्त उठाकर ले गया और मार डाला। तेंदुए ने एक गांव के तीन लोगों की जान ले ली है। इससे गांव के लोग भारी दहशत में हैं। गांव निवासी राजेंद्र सिंह का कहना है कि गांव में हर कोई खौफ में है। पिंजरा लगाने से कुछ होने वाला नहीं नहीं। अब तो आदमखोर तेंदुए को मार देना चाहिए। हमारे गांव के लोग मारे जा रहे हैं। नरेश कुमार का कहना था कि रात को बिजली रहनी चाहिए। लेकिन रात को बत्ती रहती नहीं। हम लोग डर के बीच रह रहे हैं। अक्षय कुमार सैनी का कहना था कि अब तो यही डर लगा रहता है कि तेंदुआ कब और कहां आ जाए। खेतों पर नहीं जा सकेंगे तो खेती कैसे होगी। वन विभाग के हर व्यूह को तोड़ रहा तेंदुआ- तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग हर घटना के बाद नया जाल बिछा रहा है, लेकिन तेंदुआ हर बार विभाग के इंतजामों को मात दे रहा है। पिंजरे लगाए गए, ड्रोन से निगरानी कराई गई और बाद में तकनीक का सहारा लेते हुए एनिडर डिवाइस भी लगाए गए, लेकिन तेंदुए की चाल के सामने अब तक कोई रणनीति कारगर साबित नहीं हुई। तेंदुए के लगातार हमलों ने वन विभाग की निगरानी और पकड़ने की रणनीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हर हमले के बाद विभाग की टीम मौके पर पहुंचती है। ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी जाती है और तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया जाता है। इसके बाद भी तेंदुआ पिंजरे के आसपास घूमकर निकल जाता है, लेकिन उसमें फंसता नहीं। तीन अगस्त को लालापुर पीपलसाना में महिला की जान लेने के बाद अभियान शुरू हुआ। इसके बाद वन विभाग ने संभावित इलाकों में पिंजरे लगाए और निगरानी बढ़ाई। ड्रोन उड़ाकर गन्ने के खेतों और आसपास के क्षेत्रों में तेंदुए की तलाश की गई। इसके चार दिन बाद तेंदुआ फंसा। इसके बाद तेंदुए ने बहापुर बलिया में अलग-अलग स्थानों पर ग्रामीणों को निशाना बनाया। विभाग ने स्थान बदलकर पिंजरे लगाए, ताकि तेंदुए की आवाजाही के रास्ते को भांपा जा सके। लेकिन हर बार तेंदुआ पिंजरे और निगरानी के घेरे से बच निकला। इससे साफ है कि केवल एक स्थान पर पिंजरा लगाने से उसे पकड़ना आसान नहीं है। विभाग हर संभव प्रयास कर रहा है। टीमें 24 घंटे सक्रिय हैं। दूसरे जनपदों की टीमों का सहारा लिया जा रहा है। फिर भी लगातार घटनाएं हो रही हैं इसलिए तेंदुओं को आदमखोर घोषित करने और गोली मारने की अनुमति मांगी गई है। - डॉ. विनय कुमार सिंह, डीएफओ

## संक्षिप्त समाचार

### किसानों को मिलेगी सेल्फ प्रोपेल्ड केन हार्वेस्टर की सौगात

मंडल के सभी पांचों जिलों में कम समय और कम लागत में होगी गन्ने की कटाई, हरी पत्तियों और अवशेषों का खेत में ही मल्चिंग करेगा हार्वेस्टर मुरादाबाद मंडल के पांचों जिलों के गन्ना किसानों को जल्द ही अत्याधुनिक सेल्फ प्रोपेल्ड केन हार्वेस्टर की सौगात मिलेगी।

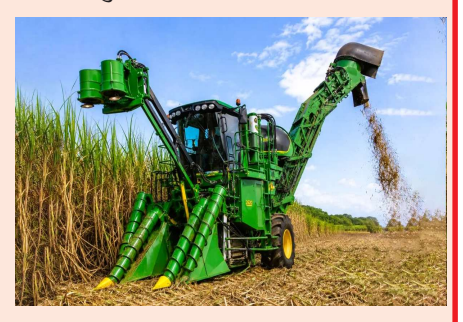

इससे कटाई में समय और लागत दोनों की बचत होगी।मुरादाबाद मंडल के प्रत्येक जनपद को एक-एक अत्याधुनिक सेल्फ प्रोपेल्ड केन हार्वेस्टर (स्वचालित गन्ना कटाई मशीन) की सौगात दी जा रही है। उत्तर प्रदेश शासन की गाइडलाइन के अनुरूप प्रदेश की सहकारी गन्ना विकास समितियों, गन्ना विकास परिषदों के माध्यम से रामपुर, बिजनौर, संभल, अमरोहा तथा मुरादाबाद में कुल पांच हार्वेस्टर क्रय किए जा रहे हैं। उप गन्ना आयुक्त परिक्षेत्र हरपाल सिंह ने शनिवार को बताया कि जहां समितियों की आर्थिक स्थिति कमजोर होगी, वहां सरकार अनुदान के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराएगी, जिससे सभी गन्ना उत्पादक जिलों को मशीनीकरण का लाभ मिल सके। गन्ने की खेती में बढ़ती मजदूर-तंगदी, कटाई संयंत्रों की कमी और बढ़ती लागत को ध्यान में रखते हुए यह कदम किसानों की आय बढ़ाने और लागत घटाने के उद्देश्य से उठाया गया है। इन सेल्फ प्रोपेल्ड केन हार्वेस्टरों द्वारा प्रति पेराई सत्र कम से कम 450 एकड़ तक गन्ने की कटाई संभव होगी।उन्होंने तकनीकी लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि मशीनें भूमि की सतह के बेहद समीप से कटाई करती हैं, जिससे प्रति हेक्टेयर 20-25 क्विंटल तक अतिरिक्त उपज मिलने का अनुमान है। इसका कारण है कि जड़ के नजदीक कटने पर गन्ने का सबसे वजनदार हिस्सा बचता है और मिलों को उच्च चीनी परता रिकवरी प्राप्त होती है। इसका किसानों को साधा आर्थिक लाभ मिलता है। उन्होंने बताया कि सटीक कटाई से खेत में आरएमडी (रेटून मैनेजमेंट डिवाइस) की क्रिया पूर्ण होती है, जिससे अगले चक्रीय फसल (पेड़ी) के लिए पेड़ी प्रबंधन बेहतर होता है और पेड़ी की उपज में वृद्धि होती है। इसके अतिरिक्त, हार्वेस्टर खेत में हरी पत्तियों और अवशेषों का मौके पर मल्चिंग कर देते हैं, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम होता है और मिट्टी की उर्वरता में सुधार आता है। उप गन्ना आयुक्त ने कहा कि इन मशीनों के आगमन से श्रम-संबंधी समस्याओं जैसे मजदूरों की कमी और कटाई के समय मजदूरी के ऊंचे दाम से स्थायी रूप से निजात मिलेगी। यह मशीनें बड़े क्षेत्र की कटाई और छिलाई बहुत कम समय में कर सकती हैं। छोटे और सीमांत किसानों के लिए उम्मीद भी जताई और कहा कि यदि वर्तमान में बड़े केन हार्वेस्टर महंगे हों तो कंपनियां मिनी केन हार्वेस्टर के विकास पर काम कर रही हैं। भविष्य में मिनी हार्वेस्टर उपलब्ध होने पर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समितियों के फार्म मशीनरी बैंकों में दिया जाएगा, ताकि छोटे किसान भी यंत्रीकरण का लाभ उठा सकें।

# मुरादाबाद के ट्रेन मैनेजर ने दिखाई ईमानदारी, महिला रेल यात्री बुशरा को लौटाया कीमती iPhone मोबाइल

मुरादाबाद मंडल के ट्रेन मैनेजर रामपाल सिंह ने ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए एक महिला यात्री का ट्रेन में छूटा हुआ एप्पल मोबाइल फोन सकुशल लौटा दिया। ट्रेन मैनेजर रामपाल सिंह ने महिला यात्री का छूटा मोबाइल लौटाया। मुरादाबाद से लखनऊ जा रही ट्रेन में छूटा था फोन।

यात्री और परिजनों ने की ईमानदारी की जमकर सराहना। भारतीय रेल में यात्री सेवा और ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए मुरादाबाद मंडल के द्वितीय ट्रेन मैनेजर/मेल रामपाल सिंह ने महिला यात्री का छूटा हुआ कीमती एप्पल मोबाइल सकुशल वापस लौटा दिया।

उनके इस कार्य की यात्री और उनके परिजनों ने सराहना करते हुए आभार जताया।

28 अगस्त को गाड़ी संख्या 13258 में मुरादाबाद से लखनऊ की ड्यूटी के दौरान महिला यात्री बुशरा का एप्पल मोबाइल ट्रेन के शौचालय में छूट गया था।

वह मुरादाबाद स्टेशन पर उतर गईं, जबकि मोबाइल ट्रेन में ही रह गया। रामपाल ने यात्री से संपर्क कर लौटाया मोबाइल-ड्यूटी के दौरान ट्रेन मैनेजर रामपाल सिंह की नजर मोबाइल पर पड़ी।

उन्होंने सहयात्रियों के सहयोग से मोबाइल को सुरक्षित अपने कब्जे में लिया और तत्काल यात्री से संपर्क कर उन्हें मोबाइल वापस कर दिया। कीमती मोबाइल सकुशल वापस मिलने पर बुशरा और उनके परिजनों ने खुशी जताई। उन्होंने ट्रेन मैनेजर की ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और तत्परता की प्रशंसा की।

रेलकर्मी के इस कार्य को यात्री सेवा के प्रति समर्पण का उदाहरण बताया गया। रामपाल सिंह के कार्य को सराहा-मुरादाबाद मंडल ने भी रामपाल सिंह के इस कार्य की सराहना की है। उनका यह प्रयास रेलकर्मियों की ईमानदारी और यात्रियों की सेवा के प्रति जिम्मेदारी को दर्शाता है।

# भाजपा में दो माह बाद भी मोर्चों के अध्यक्षों के नाम पर न लगी मुहर, कांग्रेस में दो पदों के लिए भागदौड़

भाजपा में दो माह बाद भी मोर्चों के अध्यक्षों के नाम पर मुहर नहीं लगी है। 25 जून को नवाब सिंह नागर को क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाया गया था। दोनों कमेटियों में छह-छह मोर्चों का गठन होना है। प्रत्येक मोर्चे के अध्यक्ष के लिए तीन-तीन नाम भेजे गए हैं। मुरादाबाद में क्षेत्रीय अध्यक्ष के नाम की घोषणा होने के दो महीने बाद भी भाजपा की जिला और महानगर कमेटी में मोर्चों का गठन नहीं हो सका। दोनों कमेटियों में छह-छह मोर्चों का गठन होना है। हर मोर्चे के अध्यक्ष के लिए तीन-तीन नाम प्रदेश नेतृत्व को भेजे गए हैं। लेकिन इन नामों पर अभी मुहर नहीं लग सकी है। 16 मार्च को भाजपा महानगर कार्यकारिणी की घोषणा की गई थी। इसके बाद महानगर के युवा, महिला, ओबीसी, अनुसूचित, किसान और अल्पसंख्यक मोर्चे का गठन होना था। लेकिन नए क्षेत्रीय अध्यक्ष का नाम तय नहीं होने से मोर्चों का गठन रुक गया था। 25 जून को मुरादाबाद महानगर के प्रभारी रह चुके नवाब सिंह नागर को क्षेत्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। इसके बाद मोर्चों के गठन की उम्मीद जागी। वहीं चार जुलाई को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने लखनऊ में जिलाध्यक्षों और महानगर अध्यक्षों के साथ बैठक की थी। जिसमें उन्होंने जिला और महानगर अध्यक्षों से दस जुलाई तक सभी मोर्चों के गठन के निर्देश दिए थे। मोर्चों के अध्यक्षों के लिए प्रदेश नेतृत्व ने तीन-तीन नाम मांगे थे। महानगर और जिला कमेटी की ओर से मोर्चों के अध्यक्षों के लिए नाम भेजे गए हैं। लेकिन अभी तक किसी नाम पर मुहर नहीं लग सकी है। इन मोर्चों का होना है गठन- युवा मोर्चा महिला मोर्चा किसान मोर्चा अनुसूचित मोर्चा अल्पसंख्यक मोर्चा मोर्चों के गठन के लिए प्रदेश नेतृत्व ने नाम मांगे थे। हर मोर्चे के अध्यक्ष के लिए तीन-तीन नाम भेज दिए गए हैं। अभी नाम फाइनल नहीं हुए हैं। - गिरीश भंडूला, महानगर अध्यक्ष- कांग्रेस में दो पदों पर जगह बनाने के लिए दिल्ली तक की भागदौड़ तेज- कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान में दो पदों के लिए दावेदारों के साक्षात्कार होने बाद सभी की निगाहें आलाकमान पर टिकी हुई है। इस मामले में जिले के कुछ नेता दिल्ली के वरिष्ठ नेताओं के यहां भागदौड़ तेज कर दी है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री एवं एआईसीसी ऑब्जर्वर मोहन मरकाम ने संगठन सृजन अभियान के तहत जिले में एक सप्ताह तक भ्रमण कर जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष को लेकर लोगों की राय ली। साथ ही 2027 के चुनाव को लेकर संभ्रांत लोगों से चर्चा की। यह पता लगाने की कोशिश की कि कांग्रेस को लेकर जनता का मूड क्या है। इसके बाद सर्किट हाउस में कांग्रेस के अजय सारस्वत सोनी, सुधीर पाठक, अशरफ अली, मोहम्मद अब्बास सहित दो दर्जन दावेदारों के साक्षात्कार लिए। बताया कि इस मामले में छह लोगों की सूची का पैनल बनाकर आलाकमान को सौंपा जाएगा। इस बारे में पूछने पर ऑब्जर्वर ने बताया कि अभी उन्होंने रिपोर्ट तैयार नहीं की है। 30 अगस्त तक वह अपनी रिपोर्ट कांग्रेस आलाकमान को सौंपेंगे। इस मामले में अंतिम निर्णय कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सहित अन्य वरिष्ठों को करना है। वहीं कांग्रेस के कुछ नेताओं का कहना है कि 2027 का चुनाव सिर पर है। कांग्रेस शिक्षक एमएलसी चुनाव में भी भाग नहीं ले रही है। संगठन सृजन के चलते पार्टी के कार्यक्रम नहीं हो रहे हैं। कांग्रेस के कुछ नेता जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष बनने के लिए दिल्ली में नेताओं का चक्कर लगा रहे हैं। वहीं प्रतिद्वंदी भाजपा लगातार संगठन के कार्यक्रमों को कर रही है। बसपा और सपा भी बैठकें कर रही हैं।

# बंदरों के दौड़ाने पर छत से गिरी महिला की मौत, हादसे के बाद मुरादाबाद के कुंदरकी में आक्रोश

मुरादाबाद के कुंदरकी में बंदरों के झुंड से बचने के प्रयास में छत से गिरकर 58 वर्षीय सायरा बेगम की मौत हो गई। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर बंदरों को पकड़वाने और समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। बंदरों से बचने के प्रयास में छत से गिरी महिला की मौत- मुरादाबाद के कुंदरकी क्षेत्र के शेखुपुर खास गांव में हादसा- ग्रामीणों ने बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की कुंदरकी क्षेत्र के शेखुपुर खास गांव में रविवार बंदरों के झुंड से बचने के प्रयास में छत से गिरकर 58 वर्षीय सायरा बेगम की मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर बंदरों को पकड़वाने और समस्या से स्थायी निजात दिलाने की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार, सायरा बेगम सुबह पति कल्लन के लिए चाय बनाने के लिए छत पर बनी रसोई में गई थीं। इसी दौरान बंदरों का झुंड वहां पहुंच गया और उन पर हमला करने के लिए दौड़ा।अचानक बंदरों को अपनी तरफ आता देखकर घबराई- अचानक बंदरों को अपनी ओर आता देख सायरा घबरा गईं। जान बचाने के प्रयास में वह छत से करीब 12 फीट नीचे दलान में जा गिरीं। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए।

गांव में दो से तीन हजार बंदर- ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में करीब दो से तीन हजार बंदर हैं और इनके आतंक के कारण लोग छतों पर जाने से भी डरते हैं। उनका दावा है कि बंदरों के हमलों और उनके कारण हुए हादसों में पहले भी छह लोगों की जान जा चुकी है।ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत और प्रशासन के आश्वासन के बावजूद बंदरों को पकड़ने के लिए प्रभावी अभियान नहीं चलाया गया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

## 15 लाख टन कचरा साफ, अब बाकी पर डीएम की नजर–प्लास्टिक और प्रदूषण पर सख्ती के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावरण एवं गंगा समिति की बैठक हुई। बैठक में जैव चिकित्सा अपशिष्ट, रामगंगा नदी संरक्षण, सीवेज प्रबंधन, ठोस कचरा निस्तारण, सिंगल यूज़ प्लास्टिक और वृक्षारोपण समेत पर्यावरण से जुड़े विभिन्न मुद्दों की समीक्षा की गई।डीएम ने अस्पतालों से निकलने वाले जैव चिकित्सा अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। नियमों का पालन नहीं करने वाली हेल्थ केयर फैसिलिटीज को चिन्हित कर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने को कहा। रामगंगा के कैचमेंट क्षेत्र की नालियों की सफाई और सीवेज प्रबंधन की समीक्षा करते हुए अनटैप्ड जल के उपचार के लिए नगर निकायों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं सिंगल यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ जब्ती और प्रवर्तन अभियान तेज करने को कहा।

लीगेसी वेस्ट के निस्तारण की समीक्षा में बताया गया कि अब तक करीब 15 लाख टन कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जा चुका है। डीएम ने शेष कचरे के निस्तारण के लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।प्रदूषणकारी वाहनों पर जुलाई में कार्रवाई के दौरान 542 वाहनों के चालान कर 54.20 लाख रुपये शमन शुल्क वसूला गया। परिवहन विभाग ने भी 43 वाहनों के चालान किए।बैठक में डीएफओ दीक्षा भंडारी, नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, मुख्य विकास अधिकारी देवयानी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

## 18 महीने से फाइलों में कैद विकास ! वार्ड नंबर 13 मढ़ीनाथ के बदहाल सड़क पर नगर निगम की चुप्पी से जनता बेहाल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता वार्ड नंबर 13 मढ़ीनाथ का लक्ष्मी नगर इन दिनों बदहाली का शिकार है। यहां सड़क की हालत इतनी खराब है कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों का आवागमन तक मुश्किल हो गया है। सड़क निर्माण/मरम्मत का कार्य पास हुए करीब 18 महीने बीत जाने के बावजूद धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है।

इलाके की नालियां चोक पड़ी हैं और जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा है। जलभराव और गंदगी के चलते मच्छरों ने भी डेरा जमा रखा है, जिससे स्थानीय लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है।

आरोप है कि सभासद से लेकर नगर निगम के जिम्मेदार कर्मचारी और सफाईकर्मी रोजाना इसी रास्ते से गुजरते हैं, लेकिन साफ सफाई की ओर ध्यान देने को तैयार नहीं । जेई से बाबू तक फाइलें ठंडे बस्ते में !- स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या की जानकारी जिम्मेदारों को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल आश्वासन ही मिले। लोगों में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर पास हो चुके कार्य को 18 महीने बाद भी जमीन पर क्यों नहीं उतारा गया? नगर निगम की लापरवाही का खामियाजा सीधे क्षेत्र वासियों को भुगतना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों में नगर निगम की कार्यशैली को लेकर खासा आक्रोश है। नगर आयुक्त एक नजर इधर भी- लोगों ने नगर आयुक्त संजीव मौर्य से लक्ष्मी नगर की बदहाल सड़क, चोक नालियों और मच्छरों की समस्या का तत्काल संज्ञान लेकर मौके का निरीक्षण कराने तथा लंबित कार्य को जल्द पूरा कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जिम्मेदार अधिकारी समय रहते नहीं जागे तो बरसात में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

आखिर सवाल यही है–18 महीने बाद भी काम क्यों अधूरा है और जनता की समस्या का आखिर जिम्मेदार कौन है ?

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

### संक्षिप्त समाचार

## ऑटो लूट का पर्दाफाश, दो बदमाश दबोचे–तमंचा-कारतूस समेत लूटा ऑटो बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। भोजीपुरा पुलिस ने ऑटो लूट की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों विशाल उर्फ छोटू और भारत रत्न को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटा गया ऑटो संख्या UP25 JT 0829, 315 बोर का तमंचा, तीन जिंदा कारतूस और आधार कार्ड की छायाप्रति बरामद की है। पुलिस के अनुसार 27 अगस्त को ऑटो चालक से मारपीट कर ऑटो लूट लिया गया था। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम ने 30 अगस्त को सेमीखेड़ा से बरौर जाने वाले रास्ते पर पेट्रोल पंप के पास दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने एक फरार साथी शिवम के साथ मिलकर वारदात करना स्वीकार किया। आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट समेत संबंधित धाराओं में कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय के समक्ष हाजिर किया जाएगा ।

## स्टेशन पर गंदगी फैलाना पड़ेगा महंगा, जुर्माना बढ़कर हुआ एक हजार रुपये

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में गंदगी फैलाने वालों पर अब रेलवे सख्ती करेगा। स्टेशन परिसर में थूकने, कूड़ा-कचरा फैलाने या सार्वजनिक स्थान पर गंदगी करने पर अब अधिकतम एक हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। पहले जुर्माने की अधिकतम राशि 500 रुपये थी। रेलवे बोर्ड की ओर से जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, रेलवे परिसर की स्वच्छता प्रभावित करने वाली गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई के प्रावधानों में जुर्माने की राशि बढ़ाई गई है। इसके तहत स्टेशन परिसर में थूकना, कूड़ा-कचरा फेंकना, गंदगी फैलाना और सार्वजनिक स्थान पर पेशाब करना जैसी गतिविधियां कार्रवाई के दायरे में रहेंगी। रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर भी संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। जुर्माना नहीं भरा तो कोर्ट में पेशी-नियम तोड़ने के बाद यदि कोई व्यक्ति निर्धारित जुर्माना जमा करने से इनकार करता है तो उसे सक्षम न्यायालय के समक्ष पेश किया जा सकता है। न्यायालय द्वारा मामले में 2000 रुपये तक का जुर्माना लगाए जाने का प्रावधान बताया गया है।

रेलवे ने यात्रियों से स्टेशन परिसर को स्वच्छ रखने में सहयोग की अपील की है। यात्रियों से कहा गया है कि कूड़ा निर्धारित डस्टबिन में ही डालें और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाएं। सीएमआई मो. इमरान ने कहा कि रेलवे परिसर को स्वच्छ रखना सभी की जिम्मेदारी है। यात्रियों से अपील है कि वे स्टेशन पर गंदगी न फैलाएं और कूड़ा निर्धारित स्थान पर ही डालें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ रेलवे के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

## कुलपति की विदाई में एबीवीपी का हंगामा, धक्का-मुक्की से गरमाया माहौल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. केपी सिंह के विदाई समारोह में एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने पूर्व में दर्ज मुकदमों की वापसी की मांग को लेकर हंगामा कर दिया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों और एबीवीपी पदाधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। आरोप है कि धक्का-मुक्की तक की नौबत आ गई, जिसके बाद शिक्षक कुलपति को बाहर लेकर आए। कुछ देर बाद मामला शांत हुआ और समारोह दोबारा शुरू किया गया। बाद में कुलपति प्रो. केपी सिंह ने एबीवीपी के विभाग संगठन मंत्री विकास गोला को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि छात्रों को अपनी बात रखने का अधिकार है और समस्याओं का समाधान संवाद से होना चाहिए।

## राष्ट्रीय लोक दल बरेली की टीम ने लखनऊ में स्वागत एवं अभिनंदन समारोह में किया प्रतिभाग

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। राष्ट्रीय लोक दल, बरेली के नेतृत्व में जनपद बरेली के जिला अध्यक्ष विजय बहादुर सक्सेना टीम ने लखनऊ में आयोजित माननीय चौधरी जयंत सिंह जी के स्वागत एवं अभिनंदन समारोह में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत चौधरी एवं केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी, क्षेत्रीय अध्यक्ष रामवीर सिंह, प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह तथा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अनुपम मिश्रा सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समारोह के दौरान संगठन संरचना को मजबूत करने, संगठन के विस्तार तथा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। पार्टी नेतृत्व ने जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को अधिक सक्रियता के साथ जनहित के कार्यों से जोड़ने पर जोर दिया।

जनपद बरेली से जिला अध्यक्ष का0 विजय बहादुर सक्सेना, निवर्तमान जिला अध्यक्ष एडवोकेट मतलूब , प्रदेश सचिव सर्वेश पाठक, जिला महासचिव शहादत हुसैन, मीडिया प्रभारी कमल जीत सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बरेली की टीम ने पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व से मुलाकात कर संगठन को मजबूत बनाने और आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

## लखपति से करोड़पति दीदी बनाने का लक्ष्य, समूह गठन में तेजी के डीएम ने दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक हुई। बैठक में लखपति महिला कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की प्रगति की समीक्षा की गई। डीएम ने स्वयं सहायता समूहों के गठन में तेजी लाने के लिए सभी बीडीओ को माहवार कार्ययोजना तैयार कर लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खराब प्रदर्शन करने वाले कार्मिकों की नियमित समीक्षा कर कार्रवाई के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में बैंक खाते खोलने में लंबित मामलों पर भदपुरा और मीरगंज में बैंक प्रतिनिधियों से बेहतर समन्वय बनाने तथा प्रत्येक ब्लॉक में विशेष शिविर लगाने को कहा गया। अब तक जिले में 55,489 संभावित लखपति दीदियों का चिन्हीकरण किया जा चुका है। डीएम ने कहा कि उद्देश्य केवल महिलाओं को लखपति बनाना नहीं, बल्कि उन्हें करोड़पति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ाना है। इसके लिए नवाचार आधारित आजीविका मॉडल विकसित किए जाएं और सखियों व अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाए।

## पति से विवाद के बाद विवाहिता ने लगाया फंदा, मौत से मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। देवरनियां थाना क्षेत्र के हिसामुद्दीन वार्ड-13 में शनिवार देर शाम चार माह पहले प्रेम विवाह करने वाली विवाहिता आलिया की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव फंदे पर लटका मिला। प्रारंभिक जांच में पति-पत्नी के बीच विवाद की बात सामने आई है।

सूचना पर सीओ अरुण कुमार और थाना प्रभारी आशुतोष द्विवेदी पुलिस व फील्ड यूनिट के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार आलिया ने इंदौर निवासी मायके वालों को घटना की सूचना दे दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मायके पक्ष के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## रास्ता विवाद और अतिक्रमण की शिकायतों पर अब तहसीलदार-नायब तहसीलदार करेंगे मौके का निरीक्षण

**मौके पर पहुंचकर जांच के बाद ही सीएम हेल्पलाइन में दर्ज होगा जवाब**

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि रास्ता विवाद एवं अतिक्रमण से संबंधित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ऐसी शिकायतों में संबंधित तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण करेंगे और वस्तुस्थिति की जांच करने के बाद ही सीएम हेल्पलाइन में जवाब दर्ज किया जाएगा।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि रास्ता विवाद और अतिक्रमण से जुड़े मामलों में केवल कार्यालय में बैठकर अथवा पटवारी की रिपोर्ट के आधार पर शिकायत का निराकरण दर्शाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार द्वारा स्वयं मौके पर जाकर की गई जांच एवं निरीक्षण के आधार पर ही सीएम हेल्पलाइन में उत्तर दर्ज किया जाए।

उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता की समस्या को गंभीरता से लेते हुए स्थल की वास्तविक स्थिति का परीक्षण किया जाए। आवश्यकतानुसार संबंधित राजस्व अभिलेखों, नक्शे एवं मौके की स्थिति का मिलान कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि रास्ते और अतिक्रमण से जुड़े विवादों का स्थायी एवं प्रभावी निराकरण हो सके।

कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि मात्र पटवारी की रिपोर्ट के आधार पर सीएम हेल्पलाइन में दर्ज किए गए उत्तर अमान्य कर दिए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए तथा मौके की जांच के बाद तथ्यात्मक एवं स्पष्ट जवाब पोर्टल पर दर्ज किया जाए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की महत्वपूर्ण जनसुनवाई व्यवस्था है। इसमें प्राप्त शिकायतों के निराकरण में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। विशेष रूप से रास्ता विवाद एवं अतिक्रमण जैसे मामलों में मौके की वास्तविक स्थिति जाने बिना शिकायत का निराकरण दर्ज करने से आमजन की समस्या का समाधान नहीं होता। इसलिए संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर वस्तुस्थिति का परीक्षण करें और नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शिकायतों का संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें।

## मटेरा में सरेराह मोबाइल छीनने की वारदात

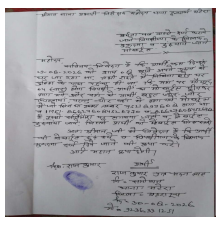

क्यूँ न लिखूँ सच / बहराइच के मटेरा में सरेराह मोबाइल छीनने की वारदात! बाइक सवार चार अज्ञात लोगों पर मोबाइल छीनकर फरार होने का आरोप! बहराइच से बड़ी खबर सामने आ रही है। मटेरा थाना क्षेत्र में मजदूरी कर घर लौट रहे एक युवक से सरेराह मोबाइल छीनने का मामला सामने आया है। घटना 29 अगस्त की शाम करीब 8 बजे, मटेरा थाना क्षेत्र के निबिया रोड धर्मकांटा पुलिया के पास की बताई जा रही है। पीड़ित राज कुमार के मुताबिक, वह मटेरा बाजार में मजदूरी करके साइकिल से अपने घर लौट रहा था और रास्ते में मोबाइल पर बात कर रहा था। तभी पीछे से बाइक पर सवार चार अज्ञात लोग आए और आरोप है कि चलती साइकिल से उसका मोबाइल छीनकर फरार हो गए। पीड़ित ने अगले दिन 30 अगस्त को मटेरा थाने में तहरीर देकर कार्रवाई और मोबाइल बरामद कराने की मांग की है। अब सवाल बड़ा है– मटेरा क्षेत्र में ऐसी घटनाओं पर लगाम कब लगेगी? पहले हुई चोरी की घटनाओं का खुलासा कब होगा? और क्या पुलिस बाइक सवार उन चारों अज्ञात लोगों तक पहुंच पाएगी? फिलहाल मामला पुलिस जांच में है और आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी। अब देखना होगा कि मटेरा पुलिस इस मामले में कितनी तेजी से कार्रवाई करती है।

## आस्था और परंपरा के रंग में सजा भुजरिया पर्व ग्राम बेलानारा के परिजनों ने बड़ी उत्साह के साथ मनाया भुजरिया पर्व

क्यूँ न लिखूँ सच / मायावती अहिरवार / भुजरिया पर्व भी एक पावन त्यौहार है जिसको लोगो द्वारा बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है जिसमें महिलाओं के द्वारा भुजरिया बोई जाती है और उसके बाद उनकी पूजा की जाती है

और उनका परिक्रमा किया जाता है एवं पुरुषों के द्वारा लाठियों से गोल गोल घूम कर गीतों का जस्न मनाया जाता है इस अवसर पर आज बहुत ही जनसंख्या में परिजनों की भीड रही और भुजरिया पर्व उत्साह के साथ मनाया गया आपसी मत भेदों को त्याग कर आपस मे गले मिले और एक दूसरे को भुजरिया दिए और एक दूसरे को शुभकामनाएं दिए इस अवसर पर राजकुमार राहुल हाकमसिंह रघुवंशी संगीता गेंदबाई रामकुमार मायावती आदि बड़ी जनसंख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

# बूथ संख्या 228 पर सुना गया प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम का 137वां संस्करण

बिलारी । भारतीय जनता पार्टी बिलारी मंडल के मोहल्ला हर्ष नगर स्थित बूथ संख्या 228 पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें संस्करण का सामूहिक रूप से श्रवण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद बिलारी के अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव मौजूद रहे। उनके नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना।इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के माध्यम से स्वच्छता और नशामुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष जोर दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान को जन-जन तक पहुंचाते हुए सभी को अपने नगर को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज की आधारशिला है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहना आवश्यक है।उन्होंने कहा कि नशे की प्रवृत्ति समाज और युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है। इससे बचाव के लिए परिवार, समाज और जनप्रतिनिधियों को मिलकर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है।कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष डॉ. मदन बंसल, पूर्व महामंत्री धर्मेंद्र गांधी, मेघपाल सिंह, एसपी कंडेरा, सभासद प्रवेश प्रजापति, दिनेश प्रजापति, रचित माथुर, विशाल प्रजापति, मौजम मलिक, गिरीश चंद्र, अमित चौधरी, सभासद ब्रज रतन प्रजापति, एहसान पाशा, फरमान मलिक, अंकुश चौधरी, संजय पाल, सभासद तहजीब आलम, सभासद सुमित गुप्ता, मन्नान पाशा सहित अन्य कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

# योगशाला बिलारी में योग परिवार संगठन का आठवां भाग्यशाली लकी ड्रा संपन्न

बिलारी । योगशाला बिलारी में योग परिवार संगठन का मासिक कार्यक्रम एवं आठवीं भाग्यशाली लकी ड्रा योजना योग सत्र के उपरांत उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य योग शिक्षक निहाल सिंह लाठर ने की तथा संचालन सामाजिक कार्यकर्ता संजय सक्सैना ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी मोहनलाल शर्मा, विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद् व्रतपाल सिंह रहे, जबकि महिला सशक्तिकरण की ओर से राशि शर्मा ने मंच पर प्रतिनिधित्व किया। टोकन सिस्टम के माध्यम से चार भाग्यशाली विजेताओं का चयन किया गया,

जिन्हें मंचासीन अतिथियों द्वारा योग परिवार संगठन की ओर से उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।

लकी ड्रा के विजेताओं में गीता रानी चंद्रवंशी, राकेश कुमार गुप्ता सराफ, सुधीर कुमार गुप्ता सराफ एवं सौरभ गुप्ता शामिल रहे। कार्यक्रम में मधुरानी, अनीता चौधरी, सरोज सिंह, प्रवेश चंद्रवंशी, प्रीति चौधरी, खुशबू गुप्ता, रचना सिंह एवं ममता फोगाट सहित अन्य लोगों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में योग शिक्षक नरेंद्र सिंह, राकेश कुमार चंद्रवंशी, विजेंद्र सिंह चंद्रवंशी, विनीत चौधरी, गुड्डू भैया, राहुल गुप्ता, रामप्रताप सिंह, डॉ. राजवीर सिंह, दानवीर सिंह, उमेश चंद शर्मा, दिनेश कुमार, राजेंद्र सिंह आदि का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान योग परिवार संगठन की ओर से नियमित योगाभ्यास के साथ लोगों को स्वस्थ जीवनशैली, आपसी सहभागिता और सकारात्मक सोच के लिए प्रेरित किया गया।

# आज बिलारी पहुंचेंगे भाकियू आजाद के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन बालियान, गांधी मूर्ति चौराहे पर होगा स्वागत

बिलारी । भारतीय किसान यूनियन आजाद के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नितिन बालियान रविवार को बिलारी पहुंचेंगे। उनके आगमन को लेकर किसान एवं युवा संगठनों के पदाधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बिलारी पहुंचने पर दोपहर करीब 2 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गांधी मूर्ति चौराहे पर उनका स्वागत किया जाएगा।स्वागत कार्यक्रम के उपरांत चौधरी नितिन बालियान युवा नेता कपिल राज के आवास पर पहुंचेंगे, जहां 'चाय पर चर्चा' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में किसानों और युवाओं से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों के साथ ही क्षेत्र की जनसमस्याओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगाइस दौरान किसानों की समस्याओं, कृषि क्षेत्र से जुड़े मुद्दों, युवाओं की चुनौतियों तथा क्षेत्र के विकास से संबंधित विषयों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। साथ ही समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक पहल और आगामी रणनीति पर भी चर्चा होने की संभावना हैकार्यक्रम में गौ रक्षा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत विभिन्न किसान, युवा एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों के शामिल होने की जानकारी दी गई है। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों और युवाओं की समस्याओं को प्रभावी ढंग से सामने लाकर उनके समाधान की दिशा में सार्थक संवाद स्थापित करना है।

# हिंडन नदी में कूदी 19 साल की लड़की: संजना के छलांग लगाते ही युवक भी कूदा, घटना के पीछे सामने आ रही रही ये वजह

पुलिस के मुताबिक युवती की पहचान संजना पुत्री हरेन्द्र सिंह उम्र करीब 19 वर्ष, निवासी कुलेसरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शनिवार रात युवती हिंडन पुल पर पहुंची थी। इसी दौरान उसने नदी में छलांग लगा दी।

युवती को नदी में कूदता देख उसे बचाने के लिए लड़का भी पानी में उतर गया।ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र के कुलेसरा गांव स्थित हिंडन नदी के पुल से शनिवार रात करीब नौ बजे 19 वर्षीय युवती ने नदी में छलांग लगा दी। उसे बचाने के लिए साथ मौजूद एक लड़का भी नदी में कूद गया। लड़का किसी तरह नदी से बाहर निकल आया, लेकिन युवती का देर रात तक कोई पता नहीं चल सका। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ की टीम की मदद से नदी में युवती की तलाश शुरू कराई गई। देर तक चले सर्च ऑपरेशन के बावजूद युवती का सुराग नहीं मिला।लड़का बाहर निकला, लड़की लापता- पुलिस के मुताबिक युवती की पहचान संजना पुत्री हरेन्द्र सिंह उम्र करीब 19 वर्ष, निवासी कुलेसरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शनिवार रात युवती हिंडन पुल पर पहुंची थी। इसी दौरान उसने नदी में छलांग लगा दी। युवती को नदी में कूदता देख उसे बचाने के लिए लड़का भी पानी में उतर गया। लड़का किसी तरह नदी से बाहर निकल आया, जबकि युवती तेज बहाव में बह गई। घटना के वक्त लड़की के परिजन भी मौके पर मौजूद थे।एसडीआरएफ ने चलाया रेस्क्यू- घटना की जानकारी मिलते ही युवती के परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। परिजनों ने पुलिस और प्रशासन से युवती की तलाश के लिए अभियान तेज कराने की मांग की। इसके बाद पुलिस ने एसडीआरएफ टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने नदी में संभावित स्थानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया और युवती की तलाश की।शादी को लेकर नाराज थी युवती- परिजनों के मुताबिक युवती की शादी दूसरी जगह तय करने की बात को लेकर वह नाराज चल रही थी। इसी वजह से उसने यह कदम उठाया होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस की ओर से अभी युवती के नदी में छलांग लगाने के कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सर्च ऑपरेशन जारी- पुलिस टीम घटनास्थल के आसपास भी जानकारी जुटा रही है। साथ ही नदी के आसपास के क्षेत्रों में भी युवती की तलाश की जा रही है। एसडीआरएफ के जवान संभावित स्थानों पर लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।पुलिस का बयान- मीडिया सेल प्रभारी उमेश नैथानी का कहना है कि युवती की तलाश के लिए आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के संबंध में परिजनों और मौके पर मौजूद लोगों से भी जानकारी ली जा रही है। युवती के मिलने के बाद ही घटना के संबंध में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

# मौत से जंग जीत लाए वायु सेना के जांबाज, चेतक हेलिकॉप्टर से दो बुजुर्गों का रेस्क्यू

चित्रकूट में बाढ़ के विकराल रूप के बीच जब जमीन पर राहत और बचाव की कोशिशें तेज जलप्रवाह के आगे बेबस हो गईं, तब आसमान से वायुसेना के रणबांकुरे देवदूत बनकर पहुंचे। चेतक हेलिकॉप्टर ने जोखिम भरे ऑपरेशन में दो बुजुर्गों को सुरक्षित निकालकर जिंदगी और मौत के बीच उम्मीद की नई किरण जगा दी। चित्रकूट में उफान पर आई बाढ़ और मूसलाधार बारिश के बीच मौत के मुंह में समाने को विवश दो बुजुर्गों के लिए भारतीय वायु सेना के रणबांकुरे देवदूत बनकर पहुंचे। बाढ़ के विकराल रूप और तेज जलप्रवाह के आगे जब राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की नौकाएं भी बेबस हो गईं, तब प्रयागराज स्थित मध्य वायु कमान मुख्यालय ने कमान संभालते हुए आसमान से राहत का सूरज उगाया।वायु सेना के एक चेतक हेलिकॉप्टर ने महज कुछ ही पलों में हवा के बीच ऐसा साहसिक और अचूक ऑपरेशन अंजाम दिया।घटना चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित एक दूरदराज इलाके की है, जहां लगातार बढ़ते जलस्तर ने तबाही मचा रखी थी। पानी के तेज बहाव और भंवर के कारण एसडीआरएफ का बचाव अभियान अत्यंत जोखिम भरा हो चुका था और नौकाओं का उस क्षेत्र तक पहुंचना नामुमकिन था। स्थानीय प्रशासन ने इस मामले में वायु सेना की मदद मांगी। हालात की गंभीरता को भांपते हुए प्रयागराज से वायु सेना के चेतक हेलिकॉप्टर को तत्काल रवाना किया गया।जान जोखिम में डालकर बचाई जान- मौके पर पहुंचकर हेलिकॉप्टर के चालक दल ने जिस असाधारण कौशल का परिचय दिया। उफनती हुई जलराशि के ऊपर हेलिकॉप्टर को पूरी तरह स्थिर यानी हॉवरिंग पोजीशन में रखते हुए वायु योद्धाओं ने जान जोखिम में डाली। इसके बाद अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सटीक विंचिंग अभियान संचालित किया गया। हेलिकॉप्टर से रस्सी के सहारे नीचे उतरे दल ने जलप्रवाह के बीच फंसे दोनों बुजुर्ग व्यक्तियों को एक-एक कर सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला और उन्हें सकुशल तट तक पहुंचाया। इस अदम्य साहस और मानवीय संवेदना की मिसाल बने इस ऑपरेशन की स्थानीय लोगों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। हर कोई वायु सेना के इन जांबाजों की बहादुरी के कसीदे पढ़ रहा था। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता एवं विंग कमांडर देवार्थो धर ने इस सफल रेस्क्यू की पुष्टि करते हुए बताया कि भारतीय वायु सेना की त्वरित प्रतिक्रिया, उत्कृष्ट फ्लाइंग स्किल और प्रशासनिक समन्वय ने समय रहते दोनों नागरिकों की सुरक्षित निकासी को पूरी तरह सुनिश्चित किया।

## संक्षिप्त समाचार

# अभियान का दिखा असर, लाइन लॉस में आई कमी, हर निगम में कम हुईं हानियां

उत्तर प्रदेश में पिछले दिनों 372 विद्युत फीडरों को चिह्नित कर अभियान चलाया गया था। इसमें लंबे समय से विद्युत बिल जमा न करने वालों से करीब 614.86 करोड़ वसूला गया। अभियान से हर निगम में हानियां कम हुई हैं। उत्तर प्रदेश में बिजली चोरी की दर में करीब 18 फीसदी की कमी आई है। पिछले दिनों 372 विद्युत फीडरों को चिह्नित कर अभियान चलाया गया था। इसमें लंबे समय से विद्युत बिल जमा न करने वालों से करीब 614.86 करोड़ वसूला गया। अभियान से हर निगम में हानियां कम हुई हैं। यहां-यहां घटीं राजस्व हानियां- दक्षिणांचल में राठ, चित्रकूट, कोसी, अतर्रा, दिबियापुर, ललितपुर आदि फीडरों पर जुलाई 2026 तक राजस्व हानि 22.53 करोड़ रुपये से घटकर 17.89 करोड़ हो गई। यानी 21 प्रतिशत की कमी आई है। पश्चिमांचल में देवबंद, ज्योतिबा नगर, खुर्जा, ग्रेटर नोएडा आदि क्षेत्र में 29 प्रतिशत, केस्को के दादानगर, आलूमंडी, रतनपुर एवं कल्याणपुर आदि फीडरों पर 58 प्रतिशत, मध्यांचल में शाहाबाद, गोंडा, सुलतानपुर, आंवला, बहेड़ी आदि फीडरों पर 68 प्रतिशत, पूर्वांचल के बैरिया, गोपीगंज, प्रयागराज, बलिया, फूलपुर फीडरों पर 22 प्रतिशत की कमी हुई है।जांच रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर उपभोक्ता परिषद ने उठाए सवाल- राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर जांच व्यवस्था पर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर मामले में पॉवर कॉर्पोरेशन की उच्चस्तरीय जांच समिति ने जिस व्यवस्था की तारीफ की है, उसी व्यवस्था पर नियामक आयोग जुर्माना लगा चुका है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं द्वारा रिचार्ज करने के बाद अधिकतम दो घंटे में बिजली कनेक्शन बहाल होना चाहिए था, लेकिन 1.93 लाख से अधिक प्रीपेड स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के कनेक्शन दो घंटे से अधिक समय तक कटे रहे। इस गंभीर मामले में विद्युत नियामक आयोग ने पावर कार्पोरेशन पर 7.18 लाख का जुर्माना लगाया है। उन्होंने कहा कि जांच समिति ने सभी डिस्कॉम में मॉनिटरिंग सेल बनाने तथा कनेक्शन काटने-जोड़ने, सफल रिचार्ज के बाद बिजली बहाली और शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए उठाए गए कदमों को सराहा है। यह विरोधाभास है। ऐसे में उच्चस्तरीय जांच समिति की पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए।

# एआई से अवैध निर्माण पर नजर रखेगा बीडीए, विकसित किया जा रहा सॉफ्टवेयर

बरेली में बीडीए अवैध निर्माणों की निगरानी के लिए एआई आधारित प्रणाली विकसित करेगा। इस प्रणाली से ड्रोन और सैटेलाइट के जरिए अवैध निर्माणों को चिह्नित किया जाएगा। बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पांडेय ने सॉफ्टवेयर विकास के निर्देश दिए हैं।बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) अब जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) व कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित निगरानी प्रणाली विकसित करेगा। इसके जरिये ड्रोन कैमरों, सेटेलाइट और से अवैध निर्माण पर नजर रखी जाएगी।

आंकड़ों का विश्लेषण कर एआई सटीक नतीजे देगा। फिलहाल, पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसे बीडीए के एक जोन में लागू किया जाएगा। प्रयोग सफल रहने पर इसे प्रदेश के दूसरे विकास प्राधिकरणों में भी लागू किए जाने की संभावना है। बीडीए के अधिकारियों के मुताबिक, नई तकनीक के जरिये स्वीकृत मानचित्र और संबंधित निर्माण स्थल का डिजिटल मिलान किया जाएगा। प्रत्येक स्वीकृत मानचित्र और निर्माण स्थल की जियो टैगिंग की जाएगी। स्वीकृत मानचित्र के आधार पर भवन का थ्रीडी मॉडल भी तैयार किया जाएगा। इसके बाद वास्तविक निर्माण का स्वीकृत नक्शे व थ्रीडी मॉडल से मिलान किया जाएगा।अफसरों के मुताबिक, नियमित अंतराल पर ड्रोन सर्वेक्षण व सेटेलाइट इमेजरी के जरिये निर्माण गतिविधियों की अद्यतन जानकारी जुटाई जाएगी। एआई आधारित सॉफ्टवेयर इन तस्वीरों और आंकड़ों का स्वीकृत मानचित्र से स्वत: मिलान करेगा। विचलन पाए जाने पर संबंधित स्थल को रेड फ्लैग के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। इसकी सूचना संबंधित जोन के प्रभारी को उपलब्ध कराई जाएगी। वह स्थलीय सत्यापन कर नियमानुसार कार्रवाई कर सकेंगे। तकनीकी टीम ने दिया प्रस्तुतीकरण- शनिवार को तकनीकी टीम ने बीडीए के अधिकारियों के समक्ष प्रस्तावित प्रणाली का प्रस्तुतीकरण किया। बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पांडेय ने सॉफ्टवेयर विकास का कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। बीडीए उपाध्यक्ष सौम्या पांडेय ने बताया कि आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर अवैध निर्माण पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। तकनीक से निर्माण स्थल की सटीक पहचान व निरंतर निगरानी से प्रवर्तन व्यवस्था अधिक त्वरित, पारदर्शी व प्रभावी बनाई जा सकेगी।

# 'आंखों में आंसू और हाथों में फावड़ा', बेटी को खोने का गम, घर को दुरुस्त कर रहे है पिता-पुत्र

पुरवामीर गांव में 22 फीट गहरे गड्ढे में समाने से यशी (18) की मौत के दो दिन बाद भी प्रशासन की ओर से कोई सुध नहीं ली गई है। पीड़ित पिता विनोद और भाई भास्कर पड़ोसी के बरामदे में रात गुजारने के बाद खुद ट्रैक्टर और फावड़े से घर के पास बने गड्ढे को भरने में जुटे हैं। कानपुर में पुरवामीर गांव में दो दिन पहले घर के आंगन में 22 फीट गहरी जमीन में समाकर यशी (18) की दर्दनाक मौत हो गई थी। करीब सात घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन की खबर प्रदेश के कोने-कोने तक पहुंची। नेताओं, अधिकारियों के आश्वासनों का दौर चला, लेकिन धरातल पर हकीकत कुछ और ही है।

शासन की उदासीनता का आलम यह है कि जिस भाई भास्कर ने एक दिन पहले ही अपनी लाडली बहन को खोया, जिस पिता विनोद ने अपनी बेटी को अपनी आंखों के सामने धरती में समाते देखा। वहीं, पिता-पुत्र आज दो दिन से पड़ोसी अजय पांडे के बरामदे में रात गुजारने के बाद खुद ही फावड़ा उठाकर अपना उजड़ा घर भरने को मजबूर हैं।22 फीट के गड्ढे को भर दिया जाएगा हादसे के दौरान रेस्क्यू के लिए हुई खुदाई में उनका पूरा घर क्षतिग्रस्त हो गया। दो दिन तक परिवार ने पड़ोसी के बरामदे में भूखे-प्यासे रातें काटीं। इस उम्मीद में कि शासन-प्रशासन से कोई मदद आएगी। कम से कम खुदाई से बने 22 फीट के गड्ढे को भरकर बचे हुए एक कमरे तक आने-जाने का रास्ता ही बना दिया जाएगा, ताकि परिवार दो वक्त की रोटी बना सके।कम से कम सिर पर छत तो बचा लूं- लेकिन किसी ने सुध नहीं ली। थक-हारकर रविवार को परिवार ने खुद ही एक ट्रैक्टर से मिट्टी की भराई कराई। पिता विनोद, बेटा भास्कर और मोहल्ले के कुछ लोग फावड़े से गड्ढे की भराई कर रहे हैं। आंखों में आंसू और हाथों में फावड़ा लिए पिता कह रहा हैं कि बेटी तो चली गई, अब कम से कम सिर पर छत तो बचा लूं।

# आप सांसद संजय सिंह बोले- बदायूं में पुलिस कस्टडी में दलित युवक की मौत प्रशासनिक हत्या

सांसद संजय सिंह ने कहा कि बदायूं के दातागंज थाने में दलित युवक राजेश कोरी की मौत ने यूपी पुलिस के खौफनाक चेहरे को उजागर कर दिया है। पुलिस द्वारा अपनी गलती छिपाने के लिए परिजनों का इस्तेमाल करना न्याय प्रक्रिया के साथ सबसे बड़ा मजाक है।आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बदायूं के दातागंज थाने में दलित युवक राजेश कोरी की पुलिस कस्टडी में हुई मौत पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे सामान्य मौत नहीं बल्कि प्रशासनिक हत्या करार देते हुए कहा कि भाजपा सरकार में पुलिस अपराधियों जैसा व्यवहार कर रही है। संजय सिंह ने वायरल वीडियो का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि पुलिस ने न केवल युवक को बेरहमी से पीटा, बल्कि अपनी खाल बचाने के लिए परिजनों पर दबाव बनाकर मामले को भटकाने का घिनौना प्रयास भी किया है।

सांसद संजय सिंह ने कहा कि बदायूं के दातागंज थाने में दलित युवक राजेश कोरी की मौत ने यूपी पुलिस के खौफनाक चेहरे को उजागर कर दिया है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस की बर्बर पिटाई के कारण ही राजेश की जान गई है। संजय सिंह ने कहा कि थाने के भीतर एक दलित युवक को पीट-पीटकर मार डालना यह दर्शाता है कि प्रदेश में कानून का शासन पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है और रक्षक ही अब भक्षक की भूमिका में आ गए हैं।घटना के वायरल वीडियो का जिक्र करते हुए संजय सिंह ने कहा कि वीडियो में मृतक राजेश बेबस होकर जमीन पर गिरता दिख रहा है, जो पुलिसिया दावों को पूरी तरह खारिज करता है। पुलिस पीड़ित को इलाज मुहैया कराने के बजाय साक्ष्य मिटाने और मामले को रफा-दफा करने में लगी रही। उन्होंने कहा कि यह वीडियो भाजपा सरकार के %रामराज्य% के विज्ञापनों और दावों की असल हकीकत बयां कर रहा है।दोषियों को बचाने के लिए पीड़ित परिवार पर बनाया गया दबाव, तहरीर बदलकर मामला भटकाने की साजिश- संजय सिंह ने आरोप लगाया कि पुलिस ने अपनी गर्दन बचाने के लिए अमानवीयता की सारी हदें पार कर दीं। पुलिस प्रशासन ने पीड़ित परिवार को डरा-धमकाकर उनसे ही मनचाही तहरीर लिखवाई, ताकि असली दोषियों को कानूनी कार्रवाई से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा अपनी गलती छिपाने के लिए परिजनों का इस्तेमाल करना न्याय प्रक्रिया के साथ सबसे बड़ा मजाक है।

# पीडीए के जवाब में जयंत का एबीसीडी, अखिलेश पर हमला कर बोले- झगड़ों को भी राजनीतिक चश्मे से देखते हैं

लखनऊ में आयोजित सम्मेलन में रालोद के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने शक्ति प्रदर्शन किया और मंच से कहा गया कि यूपी में कोई भी सरकार रालोद की मदद के बिना नहीं बन सकेगी। वहीं, इस सम्मेलन से सपा को भी संदेश दिया गया।रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री जयंत चौधरी ने लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा और कहा कि कुछ लोग झगड़ों को भी राजनीतिक चश्में से देखते हैं और राजनीतिक रोटियां सेंकने की बात करते हैं।

चौधरी चरण सिंह जी ने हमें सभी का आदर करना सिखाया है। वो जातिवाद की राजनीति नहीं करते थे। वो समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ाना चाहते थे। बात अहंकार, भ्रष्टाचार, चोरी और धोखाधड़ी की है। यही एबीसीडी है। हमने आदर करना सीखा। चौधरी साहब हमें कुछ और ही एबीसीडी सिखा गए। वो जातिवाद के धुर विरोधी थे।

कमजोर तबके को ऊपर लाना चाहते थे। न जाने कितने हीरो को उन्होंने तराशा। किसी में अच्छाई भी होती है और बुराई भी।

उन्होंने कहा कि चौधरी साहब के नाम पर सभी ने दल बनाए।

चुनाव में उनका नाम भुनाया। मैं इसे भी गलत नहीं मानता लेकिन फोटो लगाना और उनके कदमों पर चलना बेहद कठिन है।

चौधरी साहब की फोटो लगाने वाले दूसरे दलों के लोग बुरा न माने। बागपत में एक कार्यक्रम हुआ। 36 स्कूल में लाइब्रेरी बनाने का काम एक संगठन ने किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। बी के शुक्ला ने भी इस पर फोकस किया है। स्कूल केवल सरकार की नहीं बल्कि समाज की जिम्मेदारी है। एक नई स्कीम आई है।

बहुत से मद में जो पैसा इस्तेमाल नहीं होता था, यूपी सरकार ने 11500 करोड़ का ऐसा फंड स्कूल में लगाया है। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर इशारा करते हुए कहा कि सामने वाला हर हथकंडे अपना रहा है।

यूपी का मतलब उल्टा पलटा नाम फिर बरकरार रखना चाहते हैं। डिफेंस कॉरिडोर में तीन साल में 300 ब्रह्मोस मिसाइल बनकर तैयार होंगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ बैठक में डिफेंस से जुड़े रोजगार के लिए कौशल पर चर्चा होगी। पहली बार आईटीआई का नवीनीकरण होने जा रहा है। 60 हजार करोड़ का बजट है।जेन जी, जेन अल्फा और मैं जेन एक्स हूं- जयंत ने कहा कि कोई भी संगठन वैक्यूम में काम नहीं करता। कार्यकर्ताओं की भावनाओं की कद्र करें। ठहरा पानी खराब हो जाता है। नई सोच वाले युवाओं को भी पुराने कार्यकर्ता जगह दें और सहयोग करें। उन्होंने कहा कि बीके शुक्ला को हर तरह का समर्थन है। वह सबसे कम उम्र के हमारे अध्यक्ष हैं। युवा की परिभाषा भी बदल रही। जेन जी, जेन अल्फा और मैं जेन एक्स हूं। उन्होंने कहा कि यहां बैठे पुराने सदस्यों को चौधरी साहब की सोच की जितनी समझ होगी उतनी उनके पोतों को नहीं होगी। युवाओं को बताएं कि संघर्ष क्या है और कैसे किए गए। नकल की बात करने वाले आज स्कूल बंद होने की बात कह रहे हैं- सपा की तरफ इशारा किया कि वो पहल नकल के लिए कहते थे और आज स्कूल बंद होने की बात कर रहे हैं। सबको साथ लेकर चलने की राजनीति हम करते हैं। अब शांत रहने का वक्त नहीं है। अखिलेश यादव की तरफ इशारा करते हुए कहा कि आप कहते हैं हमने सिखाया है। उन्होंने नहीं चौधरी साहब ने सिखाया है। चुनाव में भी आपको पटखनी यही समाज देगा। जयंत चौधरी को जरूरत नहीं। ये पीडीए नहीं पीड़ा है। बौखलाहट है। चुनाव में जाति की नहीं, युवा, किसान, व्यापारी, उद्यमी, कुटीर उद्योग और शिक्षक की बात होनी चाहिए।यूपी का असली चौधरी आ गया है

स्नातक राजनीति से जुड़े रालोद के बीके शुक्ला ने कहा कि रालोद पर टिप्पणी करने वाले समझ लें कि प्रदेश में असली चौधरी आ गया है। उन्होंने रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी से कहा कि 50 से 55 फीसदी निजी कॉलेज यूपी में हैं। जयंत चौधरी से निवेदन है कि आधे से ज्यादा बोझ इन्हीं कॉलेज पर है।

सरकार की तरफ से वित्तविहीन कॉलेजों को कोई मदद नहीं मिलती। सीएम से मिलकर अनुरोध कीजिए कि मानदेय मिले। किसानों के हित की लड़ाई की तरह युवाओं के हित की लड़ाई लड़ें।

बता दें कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट राजनीति के जरिये अपनी पहचान बनाने वाले राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने अब ब्राह्मण मतदाताओं के बीच अपनी पहुंच बनाने की कोशिश में लखनऊ में रालोद के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया है। इस मौके पर रालोद के कार्यकारी अध्यक्ष अनुपम मिश्र ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोई भी सरकार रालोद के बिना नहीं बन पाएगी। रालोद केवल पश्चिम नहीं बल्कि पूर्व और मध्य में भी सफल होगी। रालोद के केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य अनिल दुबे ने कहा कि आज पार्टी का विस्तार हुआ है। पूर्वांचल में रालोद के कदम हैं। यहां भी रालोद के प्रतिनिधि नर आयेंगे। चौधरी साहब ने जमीन तैयार की थी, जिसकी फसल कुछ लोग काट ले गए।अखिलेश यादव के बयान से बढ़ी तल्खी- अखिलेश यादव के रालोद को लेकर दिए गए %चवन्नी को रुपया बनाने% वाले बयान के बाद दोनों दलों की तल्खी और बढ़ गई है। तीन सितंबर को जयंत चौधरी सहारनपुर में गुर्जर सम्मेलन करेंगे। इससे पहले लखनऊ में ब्राह्मणों की भागीदारी वाला राष्ट्रीय सम्मेलन कर रालोद 2027 के लिए अपना नया सामाजिक समीकरण पेश करेगा। पार्टी जाटों के साथ ब्राह्मण और गुर्जर मतदाताओं को जोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है।

चवन्नी से रुपया बनाने का दिया था बयान- अखिलेश के रालोद को लेकर दिए गए 'चवन्नी को रुपया बनाने' वाले बयान के बाद दोनों दलों की तल्खी और बढ़ गई है। तीन सितंबर को जयंत चौधरी सहारनपुर में गुर्जर सम्मेलन करेंगे। इससे पहले लखनऊ में ब्राह्मणों की भागीदारी वाला राष्ट्रीय सम्मेलन कर रालोद 2027 के लिए अपना नया सामाजिक समीकरण पेश करेगा।

## संक्षिप्त समाचार

### मंत्री राजभर का बड़ा दावा- टूटने वाली है अखिलेश-राहुल की दोस्ती, सपा फिर से सत्ता में नहीं आने वाली

यूपी सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव के 2027 में सरकार बनाने के दावे पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार खत्म हो चुका है। अब उन्हें सरकार बनाने की तैयारी के बजाय 'अगली पैदाइश' की तैयारी करनी चाहिए।सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख और प्रदेश सरकार के मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने रविवार को समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर बड़ा दावा किया। अंबेडकरनगर में उन्होंने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दोस्ती अब टूटने वाली है। दोनों के बीच सामने आ रही बयानबाजी और राजनीतिक गतिरोध से संकेत मिल रहे हैं कि राहुल गांधी सपा से दूरी बनाने की तैयारी में हैं। राजभर ने कहा कि राहुल गांधी को अब समझ में आ गया है कि उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बनने वाली नहीं है। ऐसे में वह सपा से किनारा कर सकते हैं, ताकि सपा से जुड़े विवादों और बदनामी का असर कांग्रेस पर न पड़े। उन्होंने अखिलेश यादव के 2027 में सरकार बनाने के दावे पर तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश का सरकार बनाने का सपना खत्म हो चुका है। अब उन्हें सरकार बनाने की तैयारी के बजाय 'अगली पैदाइश' की तैयारी करनी चाहिए।पीडीए की नई परिभाषा पर भी हमला

अखिलेश यादव की ओर से पीडीए की नई परिभाषा बताए जाने पर राजभर ने भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि पीडीए में 'पेशेंस' यानी धैर्य, 'डिसप्लिन' यानी अनुशासन और 'एक्शन' यानी कार्रवाई की बात की जा रही है तो पहले अखिलेश यादव को अपनी पार्टी के लोगों को इसका पाठ पढ़ाना चाहिए।उन्होंने सपा सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय चोरी, छिनैती, लूट, डकैती और हत्या जैसी घटनाएं होती रहीं, लेकिन अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव आए दिन ऐसी बातें करते हैं, जिससे उनका खुद ही मजाक बनता है।11 हजार के वादे पर भी साधा निशाना- रक्षाबंधन के दौरान मुस्लिम महिलाओं से राखी बंधवाने के मामले को लेकर भी राजभर ने अखिलेश यादव पर तंज कसा। उन्होंने आरोप लगाया कि 11 हजार रुपये देने का दावा किया गया था, लेकिन केवल 1,100 रुपये दिए गए। राजभर ने इसमें भी घोटाले का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश की जनता अब ऐसे दावों और वादों को समझ चुकी है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की जनता सपा को दोबारा सत्ता में लाने के मूड में नहीं है।

### पिता ने पांच साल के बच्चे को मार डाला- नोएडा में बाप ने बेटे के मुंह पर मारा मुक्का, तड़प-तड़पकर तोड़ा दम

पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर मृतक बच्चे की मां ने रोते हुए बताया कि उसके पति विकास ने अपने पांच वर्षीय बेटे को जोरदार मुक्का मार दिया था। मुक्का लगने से बच्चा बेसुध हो गया। बदहवास मां तुरंत बच्चे को लेकर पास के अस्पताल पहुंची, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद मासूम को मृत घोषित कर दिया।नोएडा थाना फेस-3 क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पिता ने अपने ही पांच साल के मासूम बेटे की मुक्का मारकर जान ले ली। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को मिली फोन पर सूचना- प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार को डॉयल-112 के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ने अपने बेटे को मुक्का मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना फेस-3 पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची।मुक्का लगते ही बेसुध हो गया था बच्चा पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर मृतक बच्चे की मां ने रोते हुए बताया कि उसके पति विकास ने अपने पांच वर्षीय बेटे को जोरदार मुक्का मार दिया था। मुक्का लगने से बच्चा बेसुध हो गया। बदहवास मां तुरंत बच्चे को लेकर पास के अस्पताल पहुंची, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

# मेमू में चढ़ते समय महिला के पर्स से 10 लाख के जेवरात गायब, जीआरपी ने दो घंटे तक खंगाली सीसीटीवी फुटेज

ट्रेन में सवार होने के बाद खुली चेन देख महिला के होश उड़ गए। जीआरपी ने संदिग्ध की तलाश शुरू की। झांसी- कानपुर रेलखंड के आटा स्टेशन पर मेमू में चढ़ते वक्त एक महिला के हैंडपर्स की चेन खोलकर चोर करीब 10 लाख रुपये के जेवरात और पांच हजार रुपये नकद उड़ा ले गया। पीड़िता ने घटना की जानकारी आटा स्टेशन मास्टर को दी। चोरी की घटना से खलबली मच गई। आटा क्षेत्र के पिपरायां निवासी राकेश पत्नी साधना चंसौलिया के साथ पुत्री आकांक्षा (29) पत्नी अंकित मिश्रा निवासी झांसी को उसकी ससुराल झांसी छोड़ने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचे थे।

परिवार मेमू से झांसी जाने के लिए प्लेटफार्म पर खड़ा था, तभी ट्रेन ट्रैक आ गई, ट्रेन के पहुंचते ही यात्रियों में सवार होने की आपाधापी मच गई और इसी भीड़ का फायदा उठाकर किसी शातिर ने आकांक्षा के हैंडपर्स

की चेन खोलकर नकदी जेवरात उड़ा दिए। पर्स की चेन खुली देखकर अनहोनी की आशंका में आकांक्षा ने जब पर्स देखा तो सोने के जेवरात और नकदी गायब थी। परिजनों के मुताबिक पर्स में सोने का हार, चार सोने की चूड़ियां, कान की झुमकियां और पांच हजार रुपये नकद रखे हुए थे। चोरी हुए जेवरात की कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है।चोरी का पता चलते ही आकांक्षा ने झांसी जाने के बजाय ट्रेन से उतरकर घटना की सूचना आरपीएफ व जीआरपी को दी। जानकारी मिलते ही आरपीएफ इंस्पेक्टर आरबी शुक्ला और जीआरपी दरोगा ईश्वरदीन रेलवे स्टेशन पहुंचे और पीड़ितों से जानकारी लेकर जांच शुरू की। सुरक्षाबलों ने प्लेटफार्म पर लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली और करीब दो घंटे तक फुटेज की जांच की। आशंका है कि भीड़ में शामिल किसी शातिर ने महिला को निशाना बनाकर घटना को अंजाम दिया है। घटना के बाद पुलिस आसपास मौजूद यात्रियों और संदिग्ध लोगों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। मेमू में सवार होने के दौरान हुई चोरी से परिवार सदमे में है। वहीं, स्टेशन पर लाखों के जेवरात चोरी होने की घटना से यात्रियों में भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।कई दिनों से खड़ी मालगाड़ी भी बनी परेशानी का सबब- आटा प्लेटफार्म दो पर कई दिनों से मालगाड़ी खड़ी है। जिससे यात्रियों को ट्रेन को पकड़ने के लिए ट्रैक पार करना पड़ता है इसके साथ ही कभी-कभी तो यात्री ट्रैक के पास गिट्टी पर खड़े होकर ट्रेन में सवार होते हैं। यात्रियों ने मांग की है, प्लेटफार्म दो पर खड़ी मालगाड़ी को हटाया जाए जिससे ओवरब्रिज से होकर प्लेटफार्म पहुंचकर ट्रेन में सवार हो सकें।पीड़िता की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। घटना के खुलासे के लिए टीमें गठित की जा रही है। - हेमंत सोलंकी, थानाध्यक्ष जीआरपी

# Diabetes attacks men and women differently, a new study reveals.

**Diabetes can leave women mentally vulnerable. Due to the different biological makeup of men and women, they are more susceptible to different types of illnesses. Women are more susceptible to diseases like obesity, more prone to diseases like high blood focused on diabetes. This study found differently. While women are more more at risk for other diseases. Women health problems. According to the study, health issues after diabetes is diagnosed, kidney problems. The researchers noted health problems differently, but no the disease progresses based on gender Differential effects on men and women: Queen Mary University in the UK and Medicine, involved an in-depth analysis 28,720 men and women who developed the years following diagnosis, 39 percent significant health event, with the by gender. Men are at increased risk of Researchers found that women were problems after diagnosis, at 8.1 percent condition ultimately led to death. While percent compared to 5.3 percent), end-stage kidney disease and hypertension.**

**thyroid, and breast cancer, while men are pressure and diabetes. A recent study that diabetes affects men and women susceptible to mental health issues, men are with diabetes are at greater risk for mental women are more likely to develop mental while men are more at risk for heart and that women and men experience these research has yet been conducted on how and age in people with type 2 diabetes. The findings of a study by researchers at others, published in the journal PLoS of the health records of approximately type 2 diabetes between 2010 and 2020. In of participants experienced at least one progression and timing of events varying high blood pressure and kidney disease: more likely to develop mental health compared to 5.3 percent, and their men had higher rates of heart disease (8.4**

# Replace lipstick! Try these 2 best DIY lip balms to keep your lips naturally pink and soft.

**Homemade natural lip balms can be used instead of lipstick. Cold weather isn't always the culprit for dry skin; staying in the AC for extended periods and drinking less water often contributes to chapped lips. This is and sensitive, and it's the first to be slightest laxity in care. If you're of buying it from the market, let's Balm - A lime lip balm rich in vitamin C This antibacterial lip balm made with infections. Let's learn the recipe: drops of lemon juice, 1 teaspoon honey, make a refreshing lime lip balm, first the beeswax until it melts. Then, mix the the oil and beeswax mixture has cooled, lemon juice. Your lip balm is ready. Store Tinted Raspberry Lip Balm - If you pink, try this DIY tinted raspberry lip will also help reduce lip pigmentation. tablespoons freeze-dried raspberries tablespoon beeswax 7-8 drops of vitamin tinted raspberry lip balm, take a double coconut oil, add the beeswax, and let it oil, mix it well. Add 2 tablespoons of Finally, add 7-8 drops of vitamin E oil and mix. Your tinted raspberry lip balm is ready. Store it in a small container.**

**because the skin on the lips is extremely thin affected by changes in weather or even the considering making a natural lip balm instead explore some DIY hacks. Refreshing Lime Lip can be made to keep lips soft and refreshing. lemon juice is also helpful in protecting against Ingredients: 2 tablespoons coconut oil, 5-7 2 teaspoons beeswax. How to make it? To take a double boiler. Heat coconut oil and add two together thoroughly with a spoon. Once add 1 teaspoon of honey and 5-7 drops of it in a small container and use it immediately. want to keep your lips moisturized and a light balm. It's not as dark or sticky as lipstick and Let's learn the recipe: Ingredients: 2 (finely ground) 2 tablespoons coconut oil 1 E oil (optional) How to make it: To make the boiler and place it on the stove. Heat the heat up. When the wax begins to melt into the freeze-dried raspberries to this mixture.**

# No calls, no texts, no time to meet! Understand how a "silent breakup" destroys a relationship without saying anything.

**In today's world, it's not necessary for a relationship to end with a fight; couples are breaking up without even disclosing anything. Changing dating trends have also changed the way relationships are maintained. In done through discussion and trend is increasing among people. is and why people are choosing While ending a relationship used crying, it's now being done execution. In this situation, the relationship is over, but instead partner. Initially, meetings frequent, and over time, the of a Silent Breakup - There are partner is considering a silent together - The person who wants same enthusiasm for meeting. date, they will try to cancel it is essential for keeping a Your partner's conversation will thoughts and feelings in any way. sharing their life and its money, time, emotions, and it simply, a partner's efforts will shouldn't be ignored.**

**the past, when a relationship ended, it was consensus, but nowadays, the silent breakup Let's find out what the silent breakup trend this method. The Silent Breakup Trend - to be accompanied by arguments, fights, and quietly. This method is also being called a soft person doesn't directly state that the gradually distances themselves from their decrease, then communication becomes less couple begins to feel emotionally distant. Signs several signs that clearly indicate that a breakup: Excuses for not spending time to silently break up will no longer show the Even if the other partner makes plans for a with any excuse. However, mutual enthusiasm relationship alive. Very little conversation - seem forced. They will not respond to your Furthermore, they will be disinterested in challenges. No effort from their side - Their energy will no longer be spent on you. To put become negligible. This is a major sign that Prioritizing everything other than the relationship - You'll find that everything in their life is on their priority list, except you. This may be their friends, their work, or their family. Even their plans won't include you most of the time.**

# "What she wears is hers..." Kangana Ranaut posted years ago on women's fashion choices

**Following the controversy surrounding Kriti Sanon's Rakhi ad, Kangana Ranaut's old post on women's fashion choices is going viral. Kriti Sanon is currently in the news for a Rakhi ad. After widespread criticism, the makers removed her ad from YouTube. Kangana Ranaut also made headlines by commenting on it. Kangana commented on Kriti: "The whole issue was about Kriti Sanon's clothing, and now by commenting on it, Kangana has added fuel to the fire." Kangana had taunted Kriti for tying a Rakhi in a bikini. Now, a post from a few years ago, in which she was seen discussing fashion choices, is going viral. Kangana shared some photos wearing a white thin-strap lace corset and white high-waist trousers with gold buttons. By wearing this outfit, she commented on women's clothing choices. Kangana's old post is going viral - She wrote, "I'm just emphasizing that what a woman wears or doesn't wear is entirely her personal matter... it's none of your business." She also added a laughing emoji. Along with another photo, she wrote, "I think I've said my point. Now I can go to the office... Bye." Song removed from YouTube - Speaking of the current controversy, in a jewelry advertisement, Kriti Sanon can be seen celebrating Raksha Bandhan wearing a bralette-style blouse, cape, and draped skirt. This outfit did not go down well with a section of social media users, and they began criticizing it. Seeing the matter escalate, the makers removed it from YouTube.**

# Sushmita Sen will return to the big screen after 16 years, with the actress being blunt about marriage.

**B-town superstar Sushmita Sen recently opened up about her return to the big screen and her marriage. Her last theatrical release was in 2010. Sushmita Sen spoke openly about her wedding plans and hinted about her upcoming film. Artists often need time for themselves, away from fans and work. Actress Sushmita Sen takes that time for herself. That's why she hasn't been active on the internet for quite some time. She explained the reason for this during her Instagram Live. She also discussed marriage and returning to cinema. This is why Sushmita was away: Sushmita says that sometimes we want to distance ourselves from the internet and all the noise around us, to retreat into a peaceful environment. There's a lot of work to be done in life, and it's important to keep yourself calm and composed so you can make a good comeback. I've received messages online asking why I haven't posted anything. My answer is that it's been a while, and I felt like I needed to detox. I don't disappear; I just go back to my zone and come back, so I can improve myself. A funny answer to the question about marriage: Sushmita gently brushed aside questions about marriage and love, giving a funny answer. When questions began to arise about her marriage and love life, Sushmita said, "Don't ask me about my love life." Someone asked, "When will you get married?" To which she replied, "You and I will be searching for the answer to that question together." Return to the big screen: Sushmita has been away from the big screen for quite some time. Consequently, she received many questions about this as well. Sushmita said that I cannot talk about what I am doing, it is better that the people associated with it tell. When you all ask me this question again and again, then because of your love for cinema and for me, I am able to come back to it again. I still remember my first film Dastak. Let us tell you that Sushmita's last Bollywood theatrical release was No Problem, which came in the year 2010. Currently living life, she said that she wants to write a book on herself. I am very passionate about these things. No work should be done in a hurry. Right now I am writing different chapters of the book while living it. Later I will put it on pages as well.**

# Mohanlal turns 'super cop'; first look of new film released after Drishyam 3

**The makers have shared the first look of South superstar Mohanlal's upcoming film, Athimanoharam. Mohanlal's next film, Athimanoharam, has been revealed. First look of Athimanoharam - Actor Mohanlal plays a police officer. Malayalam cinema superstar Mohanlal needs no introduction. After winning fans' hearts with the stellar film Drishyam 3 this year, he is currently in the news for his upcoming film, Athimanoharam. On Wednesday, during the special occasion of Onam, Mohanlal surprised fans by sharing the first look of Athimanoharam. In this movie, he will be seen playing a police officer. This look from the film is trending on social media. Athimanoharam is Mohanlal's next film. Mohanlal, who has dominated the cinema world for the past four decades, has a tremendous fan following for his films. Cinephiles have been super excited for Athimanoharam since its announcement, and their excitement has only increased after seeing the film's first look poster. On Wednesday, Mohanlal shared the first glimpse of Athimanoharam on his official Instagram handle. In the film, he is seen in a police uniform on a Bullet motorcycle. Fans are overjoyed to see Mohanlal in a super cop avatar after a long time.**